mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-42 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

12 अगस्त 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

ओलंपियन अन्नू रानी

@ पेज 7

वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ विपक्ष का मार्च, राहुल-प्रियंका हिरासत में

पुलिस ने रोका तो अखिलेश ने बैरिकेडिंग फांदी; प्रदर्शन में महिला सांसद बेहोश हुईं

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची संशोधन के विरोध में विपक्षी सांसदों ने संसद भवन से चुनाव आयोग कार्यालय तक विरोध मार्च शुरू किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी विपक्षी सांसदों को रोकने के लिए परिवहन भवन में पुलिस बैरिकेड्स लगा दिए। यहां उन्हें चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया गया। पुलिस का कहना है कि विपक्षी सांसदों की ओर से इस मार्च के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। पुलिस की ओर से रोके जाने के बाद अखिलेश यादव, महुआ मोइत्रा समेत कई सांसदों ने बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश। कुछ सांसद बैरिकेड्स कूदकर बीच सड़क पर धरने पर बैठ गए। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन जब सांसदों ने सड़क से हटने से इनकार किया तो राहुल-प्रियंका गांधी समेत तमाम नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

विपक्ष का मार्च क्यों?

मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार समेत विपक्षी सांसदों ने सोमवार को बिहार में मतदाता सूची संशोधन के विरोध में संसद भवन से चुनाव आयोग मुख्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने उन्हें परिवहन भवन के पास बीच रास्ते में ही रोक दिया। पुलिस की ओर से सांसदों को आगे बढ़ने से रोके जाने पर कई नेता सड़क पर ही बैठ गए और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और वोट चोरी के आरोपों के विरोध में नारे लगाने लगे। उन्होंने पोस्टर लिए और एसआईआर को वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए। एसआईआर और वोट चोरी लिखी हुई लाल क्रॉस वाली सफेद टोपी पहने प्रदर्शनकारी सांसदों ने तख्तियां और बैनर लहराकर एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ नारे लगाए। इससे पहले संसद के मकर द्वार पर विरोध मार्च शुरू करने से पहले उन्होंने राष्ट्रगान गाया। मार्च में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से टीआर बालू (द्रमुक), संजय राउत (शिवसेना-यूबीटी), डेरेक ओब्रायन (टीएमसी), कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव समेत द्रमुक, राजद और वामपंथी दलों जैसे विपक्षी दलों के अन्य सांसद शामिल थे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- सभी दलों से 30 सांसद चुनना असंभव

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, उन्होंने जो कहा है वो सच है और मेरा बयान भी वही है। अगर कोई सरकार चुनाव आयोग के पास भी नहीं जाती, तो पता नहीं उसे किस बात का डर है। ये वीवीआईपी लोगों का शांतिपूर्ण प्रदर्शन है। चुनाव आयोग चीजों को अलग तरीके से संभाल सकता था। सभी गठबंधन दलों से 30 सांसदों को चुनना संभव नहीं है।

पुलिस बोली- सांसद फैसला करें तो हम चुनाव आयोग तक पहुंचा देंगे

दिल्ली के ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस दीपक पुरोहित ने कहा, हिरासत में लिए गए इंडिया ब्लॉक नेताओं को संसद मार्ग पुलिस स्टेशन ले जाया गया है। हम अभी भी हिरासत में लिए गए सांसदों की संख्या गिन रहे हैं। यहां विरोध प्रदर्शन की कोई अनुमति नहीं थी, लेकिन हमें सूचना मिली थी। अगर वे तय करते हैं, तो हम उन्हें चुनाव आयोग कार्यालय तक पहुंचा देंगे। चुनाव आयोग में उचित पुलिस व्यवस्था है।

ऑस्ट्रेलिया के सेनाध्यक्ष भारत यात्रा पर, साउथ ब्लॉक में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपनी यात्रा शुरू की। वीरों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्होंने साउथ ब्लॉक में एक भव्य गार्ड ऑफ ऑनर का भी निरीक्षण किया। इस समारोह में दोनों देशों के बीच साझा सैन्य लोकाचार और सौहार्द की झलक देखने को मिली, जिसने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत और स्थायी रक्षा संबंधों को रेखांकित किया। लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट 11 से 14 अगस्त तक भारत की यात्रा पर आये हैं। इस दौरान वे भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा करेंगे। उनकी भारत यात्रा को दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत करने, संयुक्त अभ्यास, प्रशिक्षण और रक्षा उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा के लिहाज से महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यूपी के श्रावस्ती जिले में सड़क हादसे में पांच की मौत

श्रावस्ती,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के हरबंसपुर के पास सोमवार को ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत में एक ही परिवार के चार लोगों सहित पांच की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया है। बताया गया कि मंगलपुर गांव का एक युवक बाइक से अपनी बहन और उसके बच्चों को छोड़ने उसकी ससुराल जा रहा था। हरबंसपुर गांव के पास उसकी बाइक को एक ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बच्ची ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दिल्ली में सांसदों के लिए बने 184 फ्लैट्स

पीएम मोदी ने उद्घाटन किया ; ये आधुनिक सुविधाओं और ग्रीन टेक्नोलॉजी से लैस

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए बनाए गए 184 नए फ्लैट्स का उद्घाटन किया। ये सभी फ्लैट्स टाइप-7 के मल्टी-स्टोरी अपार्टमेंट हैं। पीएम मोदी ने 'सिंदूर' का पौधा भी लगाया। इसके अलावा श्रमजीवियों से मुलाकात की।

उद्घाटन के दौरान पीएम ने कहा- इन चार टावरों को बहुत सुंदर नाम दिए गए हैं, कृष्णा, गोदावरी, कोसी और हुगली, जो भारत की चार महान नदियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो लाखों लोगों को जीवन देती हैं।

ये नए फ्लैट्स इसलिए बनाए गए क्योंकि सांसदों के लिए आवास की कमी थी। सीमित जमीन होने के कारण यहां ऊंची इमारतों का निर्माण किया गया, जिससे जगह का बेहतर इस्तेमाल हो और रखरखाव का खर्च कम हो।

नए फ्लैट्स में आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी : नए बने फ्लैट्स का यह कॉम्प्लेक्स पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें ग्रीन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा बचाने वाला है। प्रोजेक्ट को जीआरआईएचए (GRIHA) 3-स्टार रेटिंग के मानकों और 2016 के नेशनल बिल्डिंग कोड के नियमों के अनुसार बनाया गया है। हर फ्लैट करीब 5 हजार स्क्वायर फीट के कारपेट एरिया का है, जिसमें सांसदों के रहने के साथ-साथ उनके दफ्तर, स्टाफ के कमरे और सामुदायिक केंद्र की सुविधा भी है। सभी इमारतें भूकंप-रोधी हैं और सुरक्षा के लिए मजबूत इंतजाम किए गए हैं।

निर्माण में नई तकनीक का इस्तेमाल

इन फ्लैट्स में मोनोलिथिक कंक्रीट और एल्यूमिनियम शटरिंग का इस्तेमाल किया गया, जिससे बिल्डिंग मजबूत बनी और समय पर काम पूरा हुआ। यह कॉम्प्लेक्स दिव्यांग-हितैषी है, ताकि सभी लोग आसानी से इसका उपयोग कर सकें। उद्घाटन के अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य और विद्युत मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, आवास समिति (लोकसभा) के सभापति डॉ. महेश शर्मा समेत कई सांसद मौजूद रहे।

फतेहपुर में मकबरे पर भगवा झंडा लगाने पर बवाल-पथराव

हिंदू संगठनों का मंदिर होने का दावा पुलिस ने दौड़ाकर खदेड़ा, लाठीचार्ज

फतेहपुर,एजेंसी। फतेहपुर में मकबरे पर भगवा झंडा लगाने पर बवाल हो गया। हिंदू संगठनों के लोग सुबह सुबह मकबरे पर पहुंचे। मंदिर होने का दावा करते हुए तोड़फोड़ करने लगे। इसके बाद कुछ युवकों ने छत पर चढ़कर भगवा झंडा लगा दिया। मकबरे पर भगवा झंडा देख मुस्लिम समुदाय के लोग भड़क गए और पत्थरबाजी करने लगे।

बवाल की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बवाल कर रहे लोगों को लाठीचार्ज कर खदेड़ा। तनाव को देखते हुए मौके पर थाना सदर कोतवाली, राधा नगर, मलवा, हुसैनगंज और हरियांव थाने की फोर्स तैनात है। डीएसपी गौरव शर्मा, एएसपी महेंद्र पाल सिंह समेत एडीएम अवनीश त्रिपाठी मौके पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

पूरा मामला सदर कोतवाली के अबूनगर इलाके का है। हिंदू संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता मकबरे से करीब 50 मीटर दूर सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे हैं।

हिंदू संगठन ने पहले ही पूजा करने का किया था ऐलान :मकबरा सदर कोतवाली क्षेत्र के अबू नगर मोहल्ले में बना है। इस मकबरे को हिंदू संगठन ठाकुर जी का मंदिर बता रहा है। उनका आरोप है कि कुछ लोग मंदिर को तोड़कर उस पर कब्जा किए हुए हैं। इसे लेकर हिंदू संगठन ने पहले ही 11 अगस्त सोमवार को वहां पूजा-पाठ करने का ऐलान किया था।

हिंदू संगठनों ने डीएम को ज्ञापन देकर कब्जा हटाने की मांग की थी :डाक बंगला चौराहे पर मठ मंदिर संघर्ष समिति के अध्यक्ष धनंजय द्विवेदी के साथ अन्य सदस्यों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। मौके पर मठ मंदिर संघर्ष समिति के सदस्यों के अलावा भाजपा के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल समेत तमाम नेता मौजूद हैं।

चार दिन पहले शुक्रवार को मठ मंदिर संघर्ष समिति ने डीएम रवींद्र सिंह को ज्ञापन देकर ये मांग की थी कि ये स्थल कोई मकबरा नहीं बल्कि ठाकुर जी का मंदिर है। जहां अराजकतत्व बैठकर उसका अस्तित्व समाप्त करने में लगे हैं। इस जगह से ऐसे लोगों को हटाकर वहां से कब्जा हटवाया जाए। इसके साथ ही ऐलान किया था कि 11 अगस्त को हम लोग इस स्थल की साफ सफाई करके जन्माष्टमी मनाएंगे। इसको देखते हुए रविवार को ही डीएम और एसपी अनुज सिंह ने मौके का मुआयना किया था।

बिहार के 7 जिलों में बाढ़, 10 लाख लोग प्रभावित

हिमाचल में 360 से ज्यादा सड़कें बंद, उत्तराखंड में 1000 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली/पटना/लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश-बिहार में तेज बारिश के कारण बाढ़ के हालात हैं। बिहार के 7 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 10 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत बिहार की 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पटना जिले की 24 पंचायतें भी बाढ़ से घिरी हैं। उत्तर प्रदेश में भी लगातार बारिश से नदियां-नाले उफान पर हैं। मुरादाबाद में रामगंगा नदी उफान पर है। रविवार को एक बाइक सवार इसमें बह गया और फिर 22 घंटे तक एक पेड़ पर बैठा रहा। बाद में उसका रेस्क्यू हुआ। पिछले 24 घंटे में यूपी के 54 जिलों में 5.9 मिमी बारिश हुई। मध्य प्रदेश में बीते कुछ दिनों से बारिश बंद थी। पिछले दो दिन से मौसम में बदलाव हुआ है। बंगाल की खाड़ी में 13 अगस्त से लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव होगा। इससे पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा। अभी कुछ ही जिलों में बारिश हो रही है।

हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश के हुई लैंडस्लाइड के बाद एनएच-305 का औट-सैंज मार्ग बंद हैं। राज्य की 360 से ज्यादा सड़कों पर यातायात बाधित है। मानसून से जुड़ी घटनाओं में इस सीजन अब तक 116 लोगों की मौत हो चुकी है। 37 लोग अभी भी लापता हैं। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में रविवार को 20 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू करके मातली हेलीपैड लाया गया। धराली और हर्षिल में लोगों को भोजन-पानी पहुंचाया जा रहा है। यहां रेस्क्यू जारी है। लोगों को तलाशा जा रहा है। अब तक 1 हजार लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

तिरुवनंतपुरम-दिल्ली एअर इंडिया फ्लाइट की चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग

एयरलाइन ने तकनीकी खराबी बताई; कांग्रेस सांसद बोले- कंपनी झूठ बोल रही

चेन्नई, एजेंसी। तिरुवनंतपुरम से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट AI2455 की रविवार रात चेन्नई में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। एयरलाइंस ने तकनीकी गड़बड़ी और खराब मौसम को इसकी वजह बताया। एयर ट्रैफिक ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रडार 24 के अनुसार फ्लाइट ने 8:17 उड़ान भरी। इसे 10:45 बजे दिल्ली पहुंचना था। फ्लाइट में मौजूद कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने X पर लिखा- चेन्नई में जब इमरजेंसी लैंडिंग की पहली कोशिश हुई तो सामने (रनवे) दूसरा प्लेन खड़ा था। पायलट प्लेन को दोबारा हवा में ले गया और दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग हो सकी। उन्होंने लिखा कि फ्लाइट में कई सांसद और कई अन्य यात्री सवार थे। फ्लाइट हादसे के बिल्कुल करीब पहुंच गई थी। एक बड़ा हादसा टला है। वहीं, वेणुगोपाल के दूसरा प्लेन रनवे पर होने की बात से AI ने इनकार किया। सोमवार सुबह वेणुगोपाल ने कहा- पायलट ने खुद अनाउंसमेंट करके कहा था कि रनवे पर दूसरा प्लेन है। अब एयरलाइन झूठ बोल रही है।

पत्नी ने बीमारी छिपाकर शादी की,हाईकोर्ट ने शून्य किया विवाह

पति के खिलाफ दर्ज दहेज के सभी केस खत्म होंगे, कोर्ट ने कहा- स्पष्ट धोखाधड़ी हुई

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट (जयपुर की डिविजनल बेंच) ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने मानसिक बीमारी (सिजोफ्रेनिया) से पीड़ित महिला का विवाह निरस्त (शून्य) कर दिया है। अदालत ने माना कि विवाह से पहले महिला की गंभीर मानसिक बीमारी की जानकारी पति और उसके परिवार से छिपाई गई। यह हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 12(1)(c) के तहत 'धोखाधड़ी' की श्रेणी में आता है।

कोर्ट ने कहा- सिजोफ्रेनिया केवल अस्थायी मानसिक अवसाद (डिप्रेशन) नहीं, बल्कि एक गंभीर मनोवैज्ञानिक विकार है। यह सक्रिय अवस्था में व्यक्ति को सामान्य वैवाहिक जीवन जीने से रोक सकता है। सुप्रीम कोर्ट के पहले दिए निर्णयों के आधार पर हाईकोर्ट ने माना कि इस मामले में पत्नी की बीमारी विवाह के लिए 'महत्वपूर्ण तथ्य' (मैरिटल फैक्ट) था। इसे छिपाना पति के साथ स्पष्ट धोखाधड़ी है। इस कानूनी सिद्धांत को अपनाते हुए कोर्ट ने विवाह को शून्य घोषित किया और पति को सभी आपराधिक व आर्थिक मुकदमों से मुक्त कर दिया। इस केस की पैरवी एडवोकेट उदय शंकर आचार्य और उमाशंकर आचार्य ने की। मामले में पति का पक्ष रखने वाले एडवोकेट उमाशंकर आचार्य ने कहा- इस फैसले के साथ ही पति पर दर्ज भरण-पोषण, घरेलू हिंसा और दहेज प्रताड़ना के सभी मुकदमे भी समाप्त होंगे। इसके लिए हाईकोर्ट की ओर से जारी आदेश की कॉपी जिला न्यायालय में भिजवा दी गई है।

महिला के सामान में मिली थी मनोचिकित्सक की पर्ची :यह मामला 2013 में कोटा निवासी महिला और चित्तौड़गढ़ निवासी पुरुष के बीच हुए विवाह से जुड़ा है। शादी के बाद ससुराल पहुंचने पर महिला ने कथित रूप से असामान्य व्यवहार किया। महिला के साथ पीहर से आए सामान में मनोचिकित्सक की ओर से जारी एक पर्ची मिली, जिसमें सिजोफ्रेनिया का इलाज चलने का उल्लेख था। पति ने फैमिली कोर्ट में याचिका दायर कर कहा था- पत्नी की बीमारी के कारण विवाह के बाद शारीरिक संबंध संभव नहीं हुआ। विवाह से पहले यह तथ्य छिपाया गया। वहीं, पत्नी ने आरोप लगाए कि पति और ससुरालवालों ने दहेज की मांग की और उसका उत्पीड़न किया, साथ ही यह भी कहा कि वह किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं है। सिर्फ विवाह से कुछ दिन पहले मां और बहन के एक्सीडेंट के बाद अवसाद (डिप्रेशन) में थी।

पहले फैमिली कोर्ट ने खारिज किया था मामला

कोटा की फैमिली कोर्ट नंबर-3 ने 28 अगस्त 2019 को पति की याचिका खारिज कर दी थी। इसके खिलाफ पति ने राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर पीठ में अपील दायर की। जस्टिस इंदरजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने रिकॉर्ड, गवाहों और मेडिकल सबूतों की विस्तृत समीक्षा की। कोर्ट ने पाया कि पत्नी को सिजोफ्रेनिया था और वह इस रोग की दवाई ले रही थी। यह तथ्य विवाह से पहले पति और उसके परिवार से छिपाया गया। बीमारी की वजह से पति को सामान्य वैवाहिक जीवन का अधिकार नहीं मिला। कोर्ट ने माना कि सिजोफ्रेनिया जैसी गंभीर मानसिक बीमारी का तथ्य छिपाना धोखाधड़ी है। ऐसे विवाह को निरस्त किया जा सकता है।

आवारा कुत्तों के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- स्टर्लाइज करने के बाद वापस न छोड़ें

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में एमसीडी और एनडीएमसी को आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए कई निर्देश दिए हैं, सभी शहरों में डॉग शेल्टर बनाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को आदेश दिया है कि वे आठ हफ्तों के भीतर दिल्ली-एनसीआर के सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को उठाकर डॉग शेल्टर में रखें। साथ ही, किसी भी आवारा कुत्ते को वापस नहीं छोड़ा जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों को लेकर हो रहे जानलेवा हमलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख इख्तियार कियाया है। बीती 28 जुलाई को कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह साफ निर्देश जारी किए है कि आवारा कुत्तों को स्टर्लाइज (जीवाणु रहित बनाने) करने के बाद सड़कों या कॉलोनियों में वापस नहीं छोड़ा जाना चाहिए। कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नागरिक प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिनमें आवारा कुत्तों को पकड़ने, उन्हें जीवाणु रहित करने और उन्हें आश्रय गृह में रखने के निर्देश शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में अड़ंगा डालता है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई से कोई समझौता नहीं होना चाहिए

आवारा कुत्तों के लोगों पर हमलों और रेबीज संक्रमण के कई मामले सामने आने के चलते सुप्रीम कोर्ट ने यह बात कही है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि एनसीटी-दिल्ली, एमसीडी, एनएमडीसी तुरंत आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान शुरू करें और खासकर उन इलाकों में जहां आवारा कुत्तों का खतरा ज्यादा है। अदालत ने कहा कि आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस काम में आड़े आए तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई करें।

कोर्ट के ऑर्डर का समयबद्ध तरीके से पालन करेंगे- दिल्ली सरकार : दिल्ली सरकार के विकास, पशुपालन विभाग मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का ये ऑर्डर दिल्ली को रेबीज और बेसहारा पशुओं के भय से मुक्ति का एक रास्ता दिखाता है।

सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार का पशु विभाग सभी एजेंसियों के साथ मिलकर इस आदेश का अध्ययन करके इसको समुचित लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस आदेश को समयबद्ध तरीके पूर्णतया लागू करते हुए बेसहारा पशुओं के समुचित कल्याण का विशेष ध्यान भी रखा जाएगा।

खजूरी खास में मिला युवक का शव

नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर पूर्वी जिले के खजूरी खास इलाके में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक को सड़क पर घायल अवस्था में पड़ा देखा गया। घटना गली नंबर 26, सी-ब्लॉक की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच में मृतक की पहचान खजूरी खास निवासी राजी अहमद (33) के रूप में हुई है। फिलहाल खजूरी खास थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 6:21 बजे थाना खजूरी खास में सूचना मिली कि गली नंबर 26 में एक व्यक्ति पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने तुरंत क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को मौके पर बुलाया और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। मौके से अहम सबूत जुटाए गए। वहीं घायल युवक को जीटीबी अस्पताल भेजा गया।

कर्ज चुकाने से बचने के लिए दफ्तर में चलवाई गोली, तीन पकड़े गए

शांति सेवा न्याय
Delhi Police
SHANTI SEWA NYAYA

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिले के मौजपुर में एक बिल्डर ने कर्ज चुकाने से बचने के लिए अपने ही दफ्तर पर फायरिंग की साजिश रची। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर एक नाबालिग समेत तीन लोगों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक नौ अगस्त की दोपहर जाफराबाद थाना पुलिस को सूचना मिली कि विजय मोहल्ला, मौजपुर की गली नंबर 8, सना पब्लिक स्कूल के पास फायरिंग हुई है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां शिकायतकर्ता मोहम्मद अनीश मिले। उन्होंने बताया कि वह बिल्डर हैं। दोपहर 2:30 बजे जब वह अपने दफ्तर पहुंचे, तो खिड़की का शीशा टूटा हुआ मिला। उन्हें शक था कि यह फायरिंग उस व्यक्ति ने कराई है, जिससे उन्होंने पैसे उधार लिए थे। मौके से पुलिस को एक खाली कारतूस बरामद हुआ। मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस अधिकारी के अनुसार सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने मुरसलीन को दबोचा। पूछताछ में मुरसलीन ने खुलासा किया कि वह अनीश के लिए काम करता है और अनीश के कहने पर ही उसने एक नाबालिग से पिस्तौल से फायरिंग करवाई। पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस मुरसलीन से बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने अनीश और 16 वर्षीय नाबालिग को पकड़ा। अनीश ने कबूल किया कि वह एक जानकार का बड़ा कर्जदार था और भुगतान से बचने के लिए उसने यह फायरिंग कराई, ताकि अपने कर्जदाता को फंसाया जा सके। वहीं जांच में पता चला है कि अनीश के खिलाफ पहले भी चोरी के दो मामले दर्ज हैं।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 13 साल से हत्या के मामले फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित को वर्ष 2012 में चाची की हत्या के मामले में अदालत ने भगोड़ा घोषित किया था। पकड़े गए आरोपित की पहचान वेलकम निवासी सोनू उर्फ अजय (43) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार 29 जनवरी 2012 को वेलकम थाना क्षेत्र में संपत्ति विवाद के चलते आरोपित अशोक, भरत, हीरा, सोनू और बबलू ने भरत की दूसरी पत्नी राजरानी उर्फ राजकुमारी पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी थी। इस घटना में गंभीर रूप से झुलसने के बाद पीड़िता की मौत हो गई। मामले में 08 फरवरी 2012 को मुकदमा दर्ज किया गया था। 09 जुलाई 2012 को आरोपित सोनू, अशोक कुमार, हीरा देवी और बबलू को अदालत ने भगोड़ा घोषित किया। बाद में अशोक कुमार और हीरा को पकड़ लिया गया, लेकिन सोनू और बबलू फरार रहे। डीसीपी के अनुसार इंस्पेक्टर मंजीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार निगरानी और तकनीकी ट्रैकिंग कर रही थी। पुलिस टीम को 10 अगस्त को पुख्ता सूचना मिली कि आरोपित अजय सीता राम बाजार आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर उक्त इलाके से आरोपित को दबोचा।जांच में पता चला है कि आरोपित अनपढ़ है। आरोपित अपनी चाची की हत्या के बाद परिवार के साथ फरार हो गया और नागपुर (महाराष्ट्र), हैदराबाद, जयपुर (राजस्थान) और गोगामेड़ी (राजस्थान) सहित कई शहरों में छुपता रहा।

दिल्ली में ट्रिपल मर्डर- पहले बीवी... फिर बच्चियों को मारा, प्रदीप करना चाहता था ये काम; जुटा न पाया हिम्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर में रक्षा बंधन के दिन पत्नी और दो मासूम बच्चियों की हत्या का आरोपी प्रदीप खुदकुशी करना चाहता था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी प्रदीप ने यह बात बताई। उसने बताया कि अपने हाथ पर धारदार हथियार से नस काटने का प्रयास किया, लेकिन हिम्मत नहीं जुटा पाया और मौके से भाग गया। उसके हाथ में कट का निशान भी है। बाद में आरोपी पुलिस से बचने के लिए फरार हो गया। जाते हुए उसने अपनी मां को बताया कि जयश्री ने बच्चों की हत्या कर आत्महत्या कर ली है। पुलिस मौके पर पहुंची तो हकीकत सामने आ गई।

पहले पत्नी फिर बच्चियों का मार डाला : रक्षा बंधन वाले दिन जयश्री को अपने मायके जाना था। वह प्रदीप से बुलंदशहर ले जाने की बात कर रही थी। इसी बात पर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और उसने पहले पत्नी व बाद में दोनों बच्चियों की हत्या कर दी।

जयश्री और दोनों बच्चियों के गले पर निशान मिले : बाद में उसे लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है। इसके बाद उसने खुद भी जान देने की कोशिश की। जयश्री और दोनों बच्चियों के गले पर निशान मिले हैं। पुलिस की पूछताछ में भी आरोपी प्रदीप ने पत्नी व बच्चियों की हत्या की बात स्वीकारी है।

पत्नी के चरित्र पर था शक : उसका कहना है कि शादी के बाद से ही उसे पत्नी के चरित्र पर शक था। इसको लेकर दोनों के बीच विवाद भी होता था। वहीं जयश्री के भाई चंद्रभान का आरोप है कि उसके जीजा प्रदीप पर भारी कर्जा था।

प्रदीप को जुआ और शराब पीने की थी लत : उसे जुआ खेलने के अलावा शराब पीने की लत थी। जयश्री इसका विरोध करती थी तो झगड़ा होता था। जयश्री के मायके वालों ने प्रदीप के बाकी परिजनों पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने रविवार दोपहर बाद जयश्री और दोनों बच्चियों इशिका व अंटू का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। परिजन शव लेकर बुलंदशहर स्थित डिबाई के औरंगाबाद गांव के लिए रवाना हो गए। देर शाम को शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

रक्षा बंधन के दिन ही पत्नी और दो मासूम बच्चियों की गला घोंटकर कर दी हत्या : उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर स्थित शहीद भगत सिंह कालोनी में रक्षा बंधन के दिन ही एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो मासूम बच्चियों की गला दबाकर हत्या कर दी। मृतकों की शिनाख्त जयश्री (28), इशिका (7) और अंटू (5) के रूप में हुई है। दरअसल, जयश्री रक्षा बंधन पर अपने मायके जाने की जिद कर रही थी। इसी बात पर आरोपी ने गुस्से में वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गया।

फर्जी कंपनी खोलकर चला रहा था ठगी का धंधा, गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। खुद को एक निजी कंपनी का निदेशक बताने वाले जालसाज को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान हरियाणा के पलवल स्थित गांव असोती निवासी मुनीर खान उर्फ साहिल शर्मा के रूप में हुई है। आरोपी के पास से अलग-अलग बैंक के 200 चेक व चार डेबिट कार्ड व अन्य सामान बरामद हुए हैं।

आरोपी ने गुरुग्राम में मैराकी मैनपॉवर सर्विस के नाम से एक निजी कंपनी कंपनी खोली थी। कंपनी के नाम बैंक खाते खोलकर ठगी की रकम आगे बढ़ाया जा रहा था। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि पिछले कुछ ही दिनों में इनके बैंक खातों में ठगी की 15 करोड़ से अधिक की रकम आई है। एनसीआरपी पोर्टल की जांच में पता चला इनके बैंक खातों से फिलहाल 85 शिकायतें लिंक हुई है। पुलिस बाकी शिकायतों का भी पता लगाने का प्रयास कर रही है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त आदित्य गौतम ने बताया, पुलिस को 22 मई को आईफोन चोरी होने की शिकायत मिली थी। इस बीच उस मोबाइल के लिए पीड़ित के खाते से यूपीआई के जरिए करीब चार लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर लोकल पुलिस के अलावा अपराध शाखा ने पड़ताल की।

अपराध शाखा की साइबर सेल में तेनात इंस्पेक्टर मंजीत कुमार ने सबसे पहले उन खातों की पड़ताल की, जिनमें रकम ट्रांसफर हुई थी। रकम को कई खातों में घुमाकर भेजा गया था। तेलंगाना के एक खाते में एक लाख रुपये पहुंचे थे। खाता मेराकी मैनपॉवर कंपनी के नाम पर था। पुलिस ने कंपनी के रजिस्टर्ड एड्रेस की पड़ताल की तो वह खाली मिला।

काफी प्रयासों के बाद पुलिस ने आईटी पार्क, गुरुग्राम में छापा मारकर आरोपी मुनीर खान उर्फ साहिल शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने साथी शुभम, मुकीम और मनजीर के साथ मिलकर निजी कंपनी के नाम पर ठगी कर रहा था। आरोपी निजी कंपनी के नाम से करंट अकाउंट खोलकर उसमें ठगी की रकम मंगवाते थे।

24-25 अगस्त को विधानसभा में कार्यक्रम, 32 राज्यों के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर आ रहे दिल्ली

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 24-25 अगस्त को विधानसभा परिसर में भारत के पहले निर्वाचित अध्यक्ष वीर विट्ठल भाई पटेल के निर्वाचन के 100 साल पूरे होने पर 32 राज्यों के स्पीकर, डिप्टी स्पीकर दिल्ली आ रहे हैं। विधानसभा परिसर में ऑल इंडिया स्पीकर कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे।

आगे कहा कि अमित शाह इसका उद्घाटन करेंगे और 25 अगस्त को समापन ओम बिड़ला करेंगे। उद्घाटन में ज्योतिरादित्य सिंधिया एक डाक टिकट जारी करेंगे। इसमें सभी केंद्रीय मंत्री, दिल्ली सरकार के मंत्री और विधायकों को आमंत्रित किया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इसमें चार सेशन होंगे, इसमें चार विषयों पर देशभर स्पीकर्स चर्चा करेंगे। भारत लोकतंत्र की जननी, स्वतंत्रता सेनानियों की विधायिका में हिस्सेदारी, एआई से कैसे विधायिका में बदलाव जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण, गजेंद्र सिंह शेखावत, किरण रिजेजू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट,

प्रवेश साहिब सिंह जैसे नेता सभा का नेतृत्व करेंगे। वहीं आगे कहा कि यहां विधानसभा के इतिहास पर एक प्रदर्शनी भी लगेगी। वेलकम डिनर, 24 अगस्त को लोकसभा स्पीकर डिनर होस्ट करेंगे। 25 अगस्त को उपराज्यपाल राजनिवास में अतिथियों को डिनर होस्ट करेंगे। इस मौके पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बन रही है, उद्घाटन समारोह में उपराज्यपाल इसका उद्घाटन करेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस विधानसभा के इतिहास पर आधारित इस डॉक्यूमेंट्री में देखने को मिलेगा कि कैसे रॉलेट एक्ट, साइमन कमीशन के विरोध में इस विधानसभा में आवाज उठी, मोहनदास करमचंद गांधी उस समय विधानसभा में रॉलेट एक्ट के खिलाफ बोल रहे थे।

गाजा पर इजराइली हमले में 4 पत्रकारों के मारे जाने का दावा, आईडीएफ की सफाई-जान गंवाने वाला अल जजीरा का कथित पत्रकार हमास आतंकी

गाजा पट्टी, एजेंसी । ईरान की अर्धसरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि गाजा शहर पर इजराइल के हवाई हमले में अल जजीरा के चार पत्रकार मारे गए। मेहर ने कतर के एक टीवी चैनल के हवाले से मारे गए पत्रकारों में से एक का नाम अनस अल-शरीफ बताया है। अल जजीरा ने अपने पत्रकारों के मारे जाने की निंदा की है। इजराइल रक्षा बल ने दावा किया है कि अनस अल-शरीफ हमास का आतंकी था। मेहर की खबर के अनुसार, चारों पत्रकार अल-शिफा अस्पताल के बाहर मीडियाकर्मियों के लिए बने एक तंबू में थे। स्थानीय समयानुसार आधी रात (जीएमटी +3) से कुछ मिनट पहले ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में सात लोग मारे गए। टीवी चैनल के अनुसार, पिछले दिनों गाजा पट्टी पर इजराइली हमलों में मारे गए 48 फिलिस्तीनियों में उसके पत्रकार भी शामिल हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने 10 अगस्त को कहा कि अक्टूबर 2023 में गाजा में संघर्ष के बढ़ने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 61,430 हो गई है।

अल जजीरा ने कहा कि गाजा में इजराइली हमले में उसके संवाददाता अनस अल-शरीफ, मोहम्मद करीकेह, फोटोग्राफर इब्राहिम अल थाहर जहीर और मोहम्मद नौफल की हत्या कर दी गई। मीडिया समूह ने कहा कि यह प्रेस की स्वतंत्रता पर एक और पूर्व नियोजित हमला है। अल जजीरा ने कहा कि अनस और उनके सहयोगी गाजा के भीतर से बची हुई आखिरी आवाजों में से थे। इस घटनाक्रम पर इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक्स पर भ्रम दूर करने की कोशिश की है। आईडीएफ ने लिखा, हमले में हमास आतंकवादी अनस अल-शरीफ मारा गया। वह खुद को अल जजीरा का पत्रकार बताता था। अल-शरीफ हमास के एक आतंकवादी समूह का प्रमुख था। उसने इजराइली नागरिकों और आईडीएफ सैनिकों पर रॉकेट हमले किए थे।

पाकिस्तान में 22 दिन से खुंजेराब दर्रे के रास्ते चीन के बीच व्यापार और यात्रा बाधित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के गिलगित-बाल्तिस्तान के काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) पर चल रहे धरने के कारण रविवार को लगातार 22वें दिन खुंजेराब दर्रे के रास्ते पाकिस्तान और चीन के बीच यात्रा और व्यापार बाधित रहा। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच गतिरोध जारी है। नींद से जागी संघीय सरकार ने समस्या के समाधान के लिए आनन-फानन में सोमवार को बैठक आहूत की है।

डान अखबार की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संघीय समिति का गठन किया है। समिति इस मुद्दे के समाधान के लिए आज बैठक करेगी। गिलगित-बाल्तिस्तान के मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान, मुख्य सचिव अबरार अहमद मिर्जा, पीपीपी अध्यक्ष अमजद हुसैन एडवोकेट, पूर्व मुख्यमंत्री और पीएमएल-एन अध्यक्ष हफीजुर रहमान को भी समिति में शामिल किया गया है। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी के विरोध प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान और चीन के बीच व्यापार और यात्रा, साथ ही सोस्ट ड्राई पोर्ट पर व्यावसायिक गतिविधियां पिछले 22 दिनों से बंद हैं। ताजिर इत्तेहाद एक्शन कमेटी आहूत विरोध प्रदर्शन को व्यापारिक संगठनों, स्थानीय सरकार, विपक्षी दलों और क्षेत्र के धार्मिक समूहों का समर्थन प्राप्त है। इस मामले को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री हाजी गुलबर खान के प्रसास से गठित एक समिति के सदस्यों ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से मुलाकात की। उन्होंने मुद्दों पर चर्चा की और प्रधानमंत्री की समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए सिफारिशें तैयार कीं। प्रदर्शनकारियों ने समिति को दो सूत्री एजेंडा दिया है।

काबुल में पानी का संकट गहराया, जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में पानी का संकट गहरा गया है। राजधानी का जिला 13 सबसे अधिक प्रभावित है। यहां सुबह से शाम तक लोग पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते हैं। बचे-खुचे जल स्रोतों पर बच्चे-बूढ़े-जवानों की लंबी कतार लगी रहती है। तुलूअ न्यूज के अनुसार जिला 13 के निवासियों के लिए जिंदगी एक चुनौती बन गई है। हर किसी को पीने के पानी की एक घूंट की तलाश में सड़कों पर निकलना पड़ रहा है। सुबह से ही कतारें लग जाती हैं। हर कोई पानी खत्म होने से पहले अपने परिवार के लिए थोड़ा-बहुत पेयजल घर ले जाने की उम्मीद करता है।

जिला 13 के निवासी यार मोहम्मद ने कहा, मैं हर रोज पांच बैरल पानी खरीदता हूं। पानी की खपत बहुत अधिक है। 1000 लीटर के पानी के एक बैरल की कीमत 1.1 डॉलर चुकानी पड़ रही है। इसी जिले के बशीर अहमद ने कहा, हम पानी की तलाश में इधर-उधर भटकते रहते हैं। सरकार से हमारी विनती है कि वह इस ओर ध्यान दे। इस इलाके के एक नाबालिग लड़के मोहम्मद फैज ने कहा, मैं सुबह जल्दी आता हूं और 11 बजे तक पानी की व्यवस्था करता हूं। कभी हमारे बैरल भरे होते हैं, कभी खाली रहते हैं।

पानी की समस्या पर जल प्रबंधन विशेषज्ञ इस बात पर जोर दे रहे हैं कि इस चुनौती से निपटने के लिए सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और देश के नागरिकों को मिलकर काम करना होगा। जल विशेषज्ञ नजीब रहमान सादीद ने कहा, पंजशीर जलग्रहण क्षेत्र से पानी स्थानांतरित करने जैसी परियोजनाएं मददगार हो सकती हैं। बगदरा बांध का काम जल्द पूरा होना चाहिए। ऊर्जा और जल मंत्रालय के प्रवक्ता मतिउल्लाह आबेद ने कहा, मंत्रालय की शाह वा एरोस बांध से काबुल तक पानी पहुंचाने की योजना है। इस्लामिक अमीरात की कैबिनेट ने प्रशासनिक कार्यालय के नेतृत्व में एक समिति गठित की है। इसमें संबंधित विभाग शामिल हैं और तकनीकी कार्य शुरू हो गया है। काबुल शहर को 22 जिलों में बांटा गया है। जिला 13 उनमें से एक है। तालिबान के काबुल के पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत जिला 13 में अनौपचारिक बस्तियों को बड़े पैमाने पर तोड़ा गया था। गैर सरकारी-लाभकारी संस्था मर्सी कॉर्प्स की रिपोर्ट के अनुसार अत्यधिक जल दोहन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के कारण अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भू-जल स्तर में भारी गिरावट आई है। इस साल अप्रैल में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले एक दशक में काबुल के जलस्तर में 25-30 मीटर की गिरावट आई है। इसमें पानी का दोहन प्राकृतिक पुनर्भरण से 44 मिलियन क्यूबिक मीटर (1,553 घन फीट) अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार यदि यही स्थिति रही तो 2030 तक काबुल के जलस्रोत सूख जाएंगे। इस कारण अफगान राजधानी के अस्तित्व पर खतरा पैदा हो जाएगा। इससे लगभग तीन मिलियन अफगान निवासियों का विस्थापन हो सकता है।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें: सीईओ जिला पंचायत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज ने अधिकारियों को हर घर तिरंगा तथा हर घर स्वच्छता अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दो अगस्त से 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। देश के स्वतंत्रता तथा राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें। तिरंगा यात्रा, तिरंगा रैली, मानव श्रृंखला बनाकर तथा प्रभातफेरी के माध्यम से हर व्यक्ति को इस अभियान में सहभागी बनाएं। राष्ट्रीयता की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान में योगदान दें। अभियान में जनजागरूकता के लिए 12 अगस्त को प्रात: 10 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर से तिरंगा साइकिल यात्रा निकाली जाएगी। सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा आमजन इसमें भागीदारी निभाएं।

सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुरूप सभी अधिकारी भी हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान में आमजनता को जोड़ने का प्रयास करें। अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली, तिरंगा मेला जैसे कार्यक्रम आयोजित करें। हर घर तिरंगा अभियान के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह और स्वच्छता अभियान भी जुड़ा हुआ है। सभी अधिकारी अपने कार्यालय और कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई कराएं। अभियान का तीसरा चरण 13 से 15 अगस्त तक चलाया जाएगा। इस अवधि में सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाएगा।

कार्यालयों, निजी प्रशासनिक आवासों तथा वाहनों में तिरंगा फहराएं। तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर पोर्टल पर अपलोड करने के लिए लोगों को प्रेरित करें। जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी हर घर तिरंगा अभियान में सहभागी बनाएं। इस अभियान में स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन के तहत गांवों में स्वच्छता के कार्यक्रम, सामूहिक साफ-सफाई अभियान तथा जल संरक्षण के लिए जागरूकता अभियान को भी शामिल करें। सीईओ जिला पंचायत ने आम नागरिकों को उचित मूल्य में तिरंगा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश स्थानीय निकायों को दिए हैं। साथ ही गरीब नागरिकों को नि:शुल्क तिरंगा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

शिकायतों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश: बैठक में सीईओ जिला पंचायत द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि सभी विभाग शिकायतों के निराकरण में ए ग्रेड लाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के लिए चयनित विषयों से संबंधित शिकायतों के शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को प्राथमिकता पर कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी प्रकरणों की नस्ती कार्यवाही कर एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। आगामी एक सप्ताह अभियान चलाकर टीएल प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सीएम हाउस तथा सीएम मॉनिट से प्राप्त पत्रों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, मझौली आरपी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बिजली बिल जमा नहीं कर रहे उपभोक्ता, मंगलवार के बाद कटेंगे कनेक्शन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के एमपीईबी शहरी क्षेत्र बैढ़न और मोरवा में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 54 हजार 500 है। इनमें से अब तक केवल 16 हजार उपभोक्ताओं ने ही बिजली का बिल जमा किया है। एमपीईबी ने 1 से 12 अगस्त तक बिना अतिभार के बिल जमा करने की छूट दी है। रविवार तक लगभग सवा 2 करोड़ रुपये का बिजली बिल जमा हुआ है। अभी भी 38 हजार उपभोक्ताओं से करोड़ों रुपये की वसूली बाकी है। 12 अगस्त के बाद बिल पर अतिभार जोड़ा जाएगा। साथ ही बकायेदारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एक उपभोक्ता नवीन मिश्रा ने एमपीईबी पर सुरक्षा निधि के नाम पर अनुचित वसूली का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि नियम के अनुसार सुरक्षा राशि केवल नए कनेक्शन या देर से बिल जमा करने वालों से ली जानी चाहिए। लेकिन एमपीईबी पुराने और समय पर बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं से भी यह राशि वसूल रहा है।

शहर के उपभोक्ताओं ने इस कार्रवाई पर विरोध जताया है। उनका आरोप है कि एमपीईबी इस बहाने अपना खजाना भर रहा है और उपभोक्ताओं से अनुचित वसूली कर रहा है। हेमंत चौधरी, कार्यपालन अभियंता, एमपीईबी शहर बैढ़न का कहना है कि करीब 55 हजार से अधिक उपभोक्ता हैं। रविवार तक करीब 16 हजार उपभोक्ताओं ने बिजली का बिल जमा कर दिया गया है। अभी वक्त है, यदि निर्धारित समय के बाद बिजली बिल जमा न करने पर कनेक्शन काटने की कार्रवाई 13 अगस्त से शुरू कर दी जाएगी।

''हर घर तिरंगा'' अभियान अन्तर्गत आजीविका रूरल मार्ट में तिरंगा उपलब्ध

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार ''हर घर तिरंगा'' हर घर स्वच्छता अभियान दिनांक 02 अगस्त से 15 अगस्त तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों में देश भक्ति की भावना जागृति करने के साथ-साथ घर के आस-पास एवं पड़ोस में पूर्ण रूप से स्वच्छ वातावरण निर्माण किया जाना है।

इस अभियान में सहयोग प्रदाय करने के उद्देश्य से आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा न केवल संपूर्ण अभियान में क्रियाशीलता से सहभाग कर रही है, वही दूसरी ओर आमजन को आसानी से तिरंगे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आजीविका रूरल मार्ट (जिला पंचायत परिसर सीधी) में ध्वजों की बिक्री भी की जा रही है।

आमजन रूरल मार्ट के माध्यम से ध्वज प्राप्त कर अपने-अपने घरों, दुकानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं कार्यालय में ध्वज लगा सकते है।

ब्लाक किसान कांग्रेस कमेटी सिरमौर का जल्दी ही होगा विस्तार से गठन: संतोष सिंह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कांग्रेस कमेटी सिरमौर. के नवयुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मास्टर संतोष सिंह ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहाँ कि ब्लॉक का भ्रमण कर ब्लॉक किसान कांग्रेस कमेटी मंडलम सेक्टर बूथ किसान कांग्रेस कमेटी का गठन की राय सहमत से किया जाएगा गठन के उपरांत कमेटी / कार्यकारिणी की तैयारी बैठक बुलाकर शीघ्र ही भाजपा सरकार किसान विरोधी नीत एवं स्थानीय जनहित के मुद्दों को लेकर ब्लॉक किसान कांग्रेस सिरमौर के सभी वरिष्ठ कांग्रेस जनों एवं किसान मजदूर युवा युवा महिला एवं जन सामान्य के व्यापारी युवाओं कीसमस्या को.लेकर एसडीएम सिरमौर का घेराव कर जंगी प्रदर्शन करेगी 12

अगस्त को 11:00 बजे पद्मधर पार्क रीवा में आयोजित कांग्रेस पार्टी की विशाल न्याय सत्याग्रह आंदोलन में सभी जनसमुदाय से अपील की गई हैं की ज्यादा से ज्यादा लोग पहुंचकर कार्य को सफल बनाये।

सीधी में निकली 1 किमी लंबी तिरंगा यात्रा

तिरंगे के सामने हर भारतीय का दिल गर्व से भर जाता है: रीती पाठक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम सेमरिया बाजार में सोमवार सुबह एक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में विधायक रीती पाठक और भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल हुए।

सुबह 11 बजे से शुरू हुई इस यात्रा ने सेमरिया बाजार की गलियों को तिरंगे के रंग में रंग दिया। लगभग 1 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। हर उम्र के लोग उत्साह के साथ कदम से कदम मिलाते रहे। रैली के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। चप्पा-चप्पा पुलिस बल की मौजूदगी रही ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। यात्रा में शामिल होकर विधायक रीती पाठक ने कहा, तिरंगा हर भारतीय की पहचान और सम्मान का प्रतीक है। हमें इसे हमेशा ऊंचा रखने के लिए संकल्पित रहना चाहिए। यह सिर्फ कपड़े का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारे बलिदानों और गौरव का प्रतीक है।

भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने कहा, तिरंगा यात्रा केवल दिखावा नहीं, बल्कि इसे दिल से अपनाने का संकल्प है। हर नागरिक को इसके सम्मान में योगदान देना चाहिए। यही हमारी एकता और अखंडता का प्रतीक है। इस मौके पर युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने एकजुट होकर देश के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम को प्रदर्शित किया। तिरंगा यात्रा का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इससे पूरा माहौल देशभक्ति की भावना से गूंज उठा। सेमरिया बाजार में निकली इस यात्रा ने एक बार फिर साबित किया कि तिरंगे के सामने हर भारतीय का दिल गर्व से भर जाता है।

भाजपा रीवा ग्रामीण मण्डल में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर रीवा ग्रामीण मण्डल के द्वारा भव्य व ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा सोनोरा ग्राम पंचायत प्रांगण से सोनोरा बस्ती होते हुए इटौरा मार्केट चलकर सिया विवाह घर इटौरा तक निकाली गई । जिसमें ग्रामीण मण्डल के पदाधिकारियों पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं, मातृ शक्तिओ, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी शंख्या में युवाओ की भागीदारी रही। वंदे मातरम ,भारत माता की जय ,इंकलाब जिंदाबाद, स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारों से गुंजायमान तिरंगा यात्रा में शामिल एक एक व्यक्ति के अंदर देशभक्ति का भाव साफ झलक रहा था और हमारी राष्ट्रीय एकता की भावना तिरंगे झंडे की आन बान शान को बढ़ा रहा था। रीवा ग्रामीण मंडल के ऊर्जावान अध्यक्ष डॉ.भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता व अगुवाई में ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकाली गयी । जिसका समापन सिया गार्डेन इटौरा में विशाल जनसभा के रूप में हुआ। जहां पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियो ने सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र तिवारी ने अपने उद्बबोधन में ऑपरेशन सिन्दूर व विश्व विभीषिका बटवारा दिवस पर विचार व्यक्त किये,कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने तिरंगे झंडे की व्यापकता व राष्ट्रीय एकता व शहीदों के त्याग बलिदान से मिली आज़ादी पर प्रकाश डाला जिला कार्य समिति के सदस्य पूर्व मंडल अध्यक्ष छत्रपाल सिंह ने तिरंगा यात्रा प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मण्डल के उपाध्यक्ष बृजेन्द्र शरण पाण्डेय,देश की सेवा कर सेवानिवृत्त हुए मेजर साहब ने भी अपने विचार व्यक्त किये।कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों ग्रामीण मंडल के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत उदबोधन मण्डल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र सिंह ने किया वही आभार प्रदर्शन वरिष्ठ नेता डी.एल. मिश्रा ने किया,कार्यक्रम का सफल संचालन युवा समाजसेवी राजराखन पटेल ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे मण्डल के वरिष्ठ नेता अरुण मिश्रा, मण्डल के कोषाध्यक्ष संदीप पाण्डेय,विनायक तिवारी, मण्डल महामंत्री राजेश साकेत, सरपँच टिकुरी दिवाकर मिश्रा, अपने घर पर तिरंगा फहराएं, दूसरों को भी प्रेरित करें।

रास्ते के विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, दोनों गंभीर; तीन लोगों ने किया डंडों से हमला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुर्रेवाह गांव में सोमवार को रास्ते को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पड़ोस में रहने वाली एक महिला और उसके दो साथियों ने मोहम्मद अब्दुल्ला और उनके बेटे मोहम्मद मुबारक पर पीछे से डंडे से हमला कर दिया। इस हमले में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह है मामला: जानकारी के अनुसार, मोहम्मद अब्दुल्ला और उनके बेटे मुबारक घर से बाहर जा रहे थे, तभी पड़ोस की महिला निम्युनिशा अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंची। आरोपियों ने अचानक पीछे से उन पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल चौकी प्रभारी आरपी मांझी ने बताया, यह मामला रास्ते के विवाद का है। हमने घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घायलों का इलाज चल रहा है और आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्र में तनाव का माहौल: ग्रामीणों ने बताया कि यह विवाद काफी समय से चल रहा था, लेकिन आज यह हिंसा में बदल गया। घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए पुलिस ने शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया है। पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

बैढ़न में 5 किमी निकाली तिरंगा यात्रा, 1000 से अधिक स्कूली बच्च हुए शामिल; विधायक और अधिकारी भी रहे मौजूद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सिंगरौली जिला मुख्यालय बैढ़न में सोमवार को %हर घर तिरंगा% अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें हजारों की संख्या में स्कूली बच्चों, जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा शहर देशभक्ति के रंग में डूब गया।

सिंगरौली विधायक राम निवास शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, महापौर रानी अग्रवाल, कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला और पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के नेतृत्व में इस यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा की शुरुआत राजमाता चुनकुमारी स्टेडियम से हुई, जो यातायात तिराहा, मस्जिद तिराहा, तुलसी मार्ग और अंबेडकर चौक से होते हुए वापस स्टेडियम पर समाप्त हुई।

तिरंगा यात्रा के दौरान पुलिस बैंड की देशभक्ति धुनें बजती रहीं, जिससे लोगों में उत्साह और गर्व की भावना भर गई। 1000 से अधिक स्कूली बच्चों ने अपने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय और स्वतंत्रता दिवस अमर रहे जैसे नारे लगाए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह नागेश, सीएसपी विंध्य नगर पी.एस. परस्ते, डीएसपी रोशनी पटेल, ट्रैफिक थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह सहित नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद थे। सभी ने हाथ में तिरंगा लेकर देश के प्रति अपनी आस्था और जज्बा दिखाया।

सरकार लाडली बहनों की उन्नति और विकास के लिए संकल्पित: विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिहावल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मंगल भवन बहरी में लाड़ली बहना सम्मेलन सह रक्षाबंधन कार्यक्रम विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक के मुख्य अतिथि एवं समाजसेवी देव कुमार सिंह की विशेष उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में लाडली बहनों द्वारा स्वागत गीत एवं सावन के गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में लाडली बहनों ने मुख्य अतिथि एवं अतिथियों को तिलक लगा कर रक्षासूत्र बांधा। मुख्य अतिथि एवं अतिथियों ने बहनों की उन्नति और विकास तथा रक्षा का विश्वास देते हुए सभी लाडली बहनों को उपहार भी दिए।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सिहावल विश्वामित्र पाठक ने लाडली बहनों का स्वागत एवं उनकी खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि देश में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने आप लोगों के लिए आवास योजना,आयुष्मान योजना, आजीविका मिशन से अनेकों योजनाएं बनाई हैं। अभी रक्षाबंधन के पूर्व हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री ने प्रत्येक लाडली बहन को 250 रुपए उपहार स्वरूप दिया है। आगे लाडली बहनों को मिलने वाली राशि में भी बढ़ोत्तरी होगी। विधायक ने कहा कि सरकार लाडली बहनों की उन्नति और विकास के लिए संकल्पित है। योजना के पहले छोटीदृछोटी जरूरतों के लिए आप लोगों को परेशान होना पड़ता था अब योजना के तहत एक निश्चित राशि नियत तारीख को आपके खाते में आ जाती है जिससे आप अपनी जरूरतें पूरी करती हैं साथ ही परिवार में आपका मान सम्मान भी बढ़ा है। मुख्य अतिथि ने उपस्थित जन समुदाय को रक्षाबंधन एवं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर रश्मि पाण्डेय सीईओ जनपद पंचायत, निशांत मिश्रा, अशोक शुक्ला, परियोजना अधिकारी अनुसुइया वाजपेई, थाना प्रभारी राजेश पाण्डेय, कामता तिवारी बीपीओ, लालजी पाण्डेय, विश्रामदित्य मिश्रा, दिवाकर द्विवेदी, अधिकारी कर्मचारी सहित लाड़ली बहना उपस्थित रहीं।

कितने जंगल, कितने लोग

संपादकीय

हिमाचल को अकसर नसीहतों ने विवश कर दिया, वरना रास्ते तो यहां भी मंजिल तक थे। हम एक आपदा को बारूद की बारिश मानें ये हमारी मजबूरी, लेकिन सच यह भी है कि हमने आदतें नहीं बदलीं। अदालतें कहें, पर्यावरणविद बनें या पहाड़ को आपदा की दहशत से जोड़ें, हमारे फर्ज केवल सरकार से उसके कदमों की निशानी पूछते हैं, जबकि समूची जनता ने अपने स्वार्थी आचरण या जीवनशैली की बदलती अनिवार्यता को निरंकुश बना लिया। हमारे आचरण में शहरीकरण आ चुका है, लेकिन हिमाचल खुद को ग्रामीण जनता के हक में देखता है। हम वास्तविक शहरीकरण को ठुकराते हुए नदी-नालों के करीब पहुंच गए, हमने सोलन के पहाड़ खरीद लिए, मकलोडगंज और मनाली की हरियाली को छिन्न-भिन्न कर दिया और सत्ता एवं राजनीति के घालमेल में टीसीपी की आत्मा को कुचल दिया। हमने और हमारे जन प्रतिनिधियों ने शहरी योजनाओं को दफन करते हुए 'ग्रीन बेल्ट' को आजाद करके बर्बाद किया। टीसीपी ने धर्मशाला की विकास योजना में 'गमरू क्षेत्र' को ग्रीन बेल्ट मान कर प्रतिबंध लगाए, लेकिन सियासत के सदके आज वहां तंग गलियों के बीच घिनौना निर्माण, पूरी तरह विनाश का सूत्रधार बना हुआ है। बीड़-बिलिंग को पर्यटन से आती संपन्नता तो मंजूर है, लेकिन नगर निकाय के तहत व्यवस्थित विकास मंजूर नहीं। हमने सड़कें संकरी कर दीं ताकि हमारे वोट के आश्वासन से एमएलए साहब डरे रहें और ये जनप्रतिनिधि कर क्या रहे। बस एक यही गणित है कि कहीं इलाके के कर्मचारी घर-परिवार नाराज न हो जाएं। लोगों का चूल्हा तो जले, लेकिन चूल्हा कर न लगे। आश्चर्य यह कि एडीबी की मदद से सियासत के मदरसे खुल गए। अधूरे भवनों की नुमाइश में कल अगर बारिश शैतान हुई तो फिर प्रायश्चित कौन करेगा। हम सराज की त्रासदी में गमगीन हो कर भी यह विचार नहीं कर रहे कि वहां के विकास में कुछ गलतियां रहीं या हमने सामुदायिक भावना को तिलांजलि देकर, घर से घर की दीवार को लड़ा दिया। हम न्यू शिमला को राजधानी के विस्तार की व्याख्या में देखें, तो वहां लड़ती हुई दीवारें, टीसीपी कानून की धज्जियां, भविष्य की अनदेखी और शिमला को लांछित करती तस्वीर ही तो बना पाए। हमारी राजनीति में न तो बौद्धिक कौशल है और न ही बुद्धिजीवियों में प्रदेश के प्रति सरोकार दिखाई देते। सत्तर के दशक से ही सरकारी नौकरी ने भवन निर्माण का हुनर सिखाया कि कर्मचारी से अधिकारी तक सीमेंट-सरिया से खेलते-खेलते भूल गए कि हम न गांव के रहे और न ही शहर के बने।

टूटे रिश्ते रुकी फिल्म

हनीफ जवेरी

अगर कोई किसी को सच्चे दिल से प्यार करता है तो उसे पाने के लिए वो बहुत कुछ खोने को तैयार हो जाता है। कुछ ऐसा ही हाल था धर्मेंद्र का, जिन्होंने हेमा मालिनी को पाने के लिए फिल्म 'अपने दुश्मन' की शूटिंग को टालना शुरू कर दिया था।

संजीव कुमार और हेमा मालिनी के ब्रेकअप का असर संजीव कुमार की उस फिल्म पर भी पड़ा, जिसमें हेमा मालिनी नहीं थीं। एक तरफ जहां हेमा और संजीव एक साथ वैसमरे का सामना करने को तैयार नहीं थे, वहीं दूसरी ओर धर्मेंद्र ने हेमा को प्रभावित करने के लिए संजीव कुमार के साथ वाली फिल्म 'अपने दुश्मन' को टालना शुरू कर दिया। संजीव के साथ वो एक प्रसेम में आने को तैयार नहीं हुए, जबकि दोनों मेहमान भूमिका में थे।

कई लोगों का मानना है कि उनके ब्रेकअप के कारण ही फिल्म 'धूप छांव' काफी देर से बनी, लेकिन यह फिल्म उनके ब्रेकअप की वजह से नहीं, बल्कि निर्माता और फाइनेंसर के आपसी टकराव के कारण अटक गई थी। संजीव से ब्रेकअप के बाद धर्मेंद्र और जीतेंद्र के बीच हेमा की स्थिति 'सैंडविच' जैसी हो गई थी। दोनों ही कलाकार उनसे नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश कर रहे थे। धर्मेंद्र का एकतरफा प्यार हेमा से तब शुरू हुआ जब हेमा और संजीव एक-दूसरे के प्रेम में डूबे हुए थे और उसी समय धर्मेंद्र और हेमा की जोड़ी सफल हो चुकी थी। दूसरी ओर जीतेंद्र ने हेमा को विवाह के लिए मना लिया था। इधर धर्मेंद्र ने जीतेंद्र की प्रेमिका शोभा सिप्पी की मदद से जीतेंद्र का विवाह हेमा से रुकवा दिया। इस पूरी कहानी में रोचक बात यह थी कि हेमा के माता-पिता धर्मेंद्र से नफरत करते थे और जीतेंद्र को पसंद करते थे, क्योंकि धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे, जबकि जीतेंद्र अविवाहित।

रिश्तों में आई खटास के बाद संजीव कुमार और हेमा मालिनी वैसमरे का सामना करने को तैयार नहीं थे। यह देखकर हेमा के इश्क में गिरफ्तार धर्मेंद्र ने भी संजीव कुमार के साथ काम करने से इसलिए इनकार कर दिया, ताकि वो हेमा को दिखा सकें कि वे उनके लिए अपने काम की कुर्बानी भी दे सकते हैं। यश चोपड़ा की फिल्म 'त्रिशूल' में संजीव और हेमा सिर्फ आखिरी सीन में साथ नजर आए और वो भी बिना कोई डायलॉग बोले। फिल्म 'अपने दुश्मन' की शूटिंग धर्मेंद्र और संजीव के झगड़े की वजह से बार-बार रुकने लगी। इससे हीरोइन रीना रॉय की दी हुई तारीखें भी बेकार चली गईं। फिल्म के निर्देशक वैसलाश भंडारी को मजबूरी में दोनों कलाकारों के क्लोज-अप शॉट लेकर उनके संवाद अलग-अलग शूट करने पड़े, क्योंकि निर्माता के पास कोई और तरीका नहीं था।

फिल्म की कहानी के मुताबिक, संजीव एक जाने-माने आंखों के डॉक्टर हैं और रीना रॉय, धर्मेंद्र की बहन बनी हैं, जिनकी आंखें एक हादसे में चली जाती हैं। एक अच्छा भाई होने के नाते धर्मेंद्र अपनी बहन के इलाज और ऑपरेशन के लिए डॉक्टर संजीव कुमार को बुलाते हैं। कहानी के अंत में यह दिखाया जाना था कि संजीव, धर्मेंद्र के सामने रीना रॉय का ऑपरेशन करते हैं और यही फिल्म का अच्छा अंत था।

लेकिन शूटिंग वाले दिन धर्मेंद्र और संजीव कुमार सेट पर नहीं पहुंचे। इस बारे में रीना रॉय ने कहा, 'मेरे लिए वह समय बहुत मुश्किल था। मेकअप के दौरान मेरी आंखों पर पट्टियां बांध दी जातीं। मेकअप करके मैं दो-दो, तीन-तीन घंटे तक उनका इंतजार करती, लेकिन एक भी सीन नहीं हो पाता था। मैं मजबूर थी, लेकिन अपने काम के प्रति जिम्मेदार होने की वजह से शूटिंग छोड़ नहीं सकती थी।' आखिर में निर्माता ने कहानी का आखिरी हिस्सा ही बदल दिया। असली अंत को हटाते हुए उसकी जगह एक छोटा-सा संवाद रखा गया, जिसमें धर्मेंद्र अपनी बहन रीना रॉय से कहते हैं, 'तुमने कहा था कि तुम खुद अपनी भाभी पसंद करोगीज लेकिन जब तक तुम्हारी आंखें ठीक नहीं हो जातीं, तब तक तुम भाभी वैससे पसंद करोगी? आंखें ठीक होंगी तो भाभी भी मिल जाएगी।' और फिल्म यहीं पर खत्म हो जाती है। इस फिल्म के बाद धर्मेंद्र और संजीव कुमार कभी साथ पर्दे पर नजर नहीं आए। 'सीता और गीता' और 'शोले' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद उन्होंने एक साथ फिर कोई फिल्म नहीं की। यहां तक कि जब संजीव कुमार का निधन हुआ, तब धर्मेंद्र न तो उनके घर अंतिम विदाई देने गए और न ही उनके परिवार से सांत्वना भरे दो शब्द!

पहाड़ों की बरबादी का शोकगीत लिख रही है, पर्यटन की होम स्टे क्रांति..!

> उत्तराखंड के गांवों से प्रतिभा पलायन के साथ ही गांववासियों के शहर की ओर रुख करने से वीरान हो रहे गांवों को बचाने के लिए सरकार ने वर्ष 2018 में होम स्टे योजना आरंभ की थी। सोच यह थी कि इससे पर्यटक गांवों का रुख करेंगे, इससे जो पहाड़वासी रोजगार की कमी के कारण शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, वह रिवर्स पलायन की ओर आकर्षित होंगे। होम स्टे के लिए एक सोच यह भी थी कि इससे स्थानीय उत्पादों को भी नया जीवन मिलेगा। जो पर्यटक यहां आएंगे वह यहां की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन, संस्कारों आदि से परिचित होंगे। सबसे बड़ी सोच यह थी कि यहां के पारंपरिक घरों को इसके जरिए खंडहर से बचाया जा सकता है इसलिए सरकार ने होम स्टे के लिए अनुदान के साथ ही तमाम सुविधाएं भी दीं। इसमें अनुदान तथा सब्सिडी भी शामिल थी। संभावना यह थी कि सरकारी मदद से विरासती घर बच पाएंगे।

मनोज वार्ष्णेय

उत्तराखंड का चाहे विस्तारित हो चुका शहर नैनीताल हो या फिर मैदानी गर्मी जैसा तपता देहरादून। हर जगह होम स्टे की क्रांति आई हुई है, सिर्फ शहर ही नहीं उत्तराखंड के छोटे-छोटे गांव भी होम स्टे क्रांति की चपेट में हैं। उत्तराखंड ही क्यों, दिल्ली, मुंबई, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी होम स्टे की बीमारी तेजी से पैसल चुकी है। हालात ये हैं कि जिस स्टैंडर्ड का होटल दो हजार में मिलता है, उसी स्टैंडर्ड का होम स्टे भी दो हजार का ही मिल रहा है। उस पर तुर्रा यह कि होटल तो होटल जैसा फील होता है मगर होम स्टे में जाकर होटल से भी अधिक सुविधाएं मिल जाती हैं। यह सब पिछले सात-आठ सालों में आई होम स्टे क्रांति का नतीजा है। इस क्रांति ने शहरों को भले ही नुकसान नहीं पहुंचाया हो, लेकिन पहाड़ों के लिए यह बहुत खतरनाक बन चुकी है। इस होम स्टे क्रांति के दुष्परिणाम क्या हो रहे हैं, यह हाल में गंगोत्री के मार्ग के तीन खूबसूरत गांवों की बरबादी से देखा जा सकता है।

नहीं रुका पलायन लेकिन

उत्तराखंड के गांवों से प्रतिभा पलायन के साथ ही गांववासियों के शहर की ओर रुख करने से वीरान हो रहे गांवों को बचाने के लिए सरकार ने वर्ष 2018 में होम स्टे योजना आरंभ की थी। सोच यह थी कि इससे पर्यटक गांवों का रुख करेंगे, इससे जो पहाड़वासी रोजगार की कमी के कारण शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं, वह रिवर्स पलायन की ओर आकर्षित होंगे। होम स्टे के लिए एक सोच यह भी थी कि इससे स्थानीय उत्पादों को भी नया जीवन मिलेगा। जो पर्यटक यहां आएंगे वह यहां की संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन,संस्कारों आदि से परिचित होंगे। सबसे बड़ी सोच यह थी कि यहां के पारंपरिक घरों को इसके जरिए खंडहर से बचाया जा सकता है इसलिए सरकार ने होम स्टे के लिए अनुदान के साथ ही तमाम सुविधाएं भी दीं। इसमें अनुदान तथा सब्सिडी भी शामिल थी। संभावना यह थी कि सरकारी मदद से विरासती घर बच पाएंगे।

होम स्टे योजना अच्छी थी, मगर इससे पहाड़ों से हो रहा पलायन तो रुका नहीं। हां, यह जरूर हुआ कि होम स्टे की इतनी बाढ़ आ गई कि उसमें यहां की संस्कृति, संस्कार, परंपराएं, खान-पान तथा मकान आदि सभी धूमिल होने लगे। आज हालत यह है कि अकेले उत्तराखंड में अनुमानित पांच हजार से अधिक होम स्टे हैं और यह यहां के बड़े शहरों में ही नहीं है, बल्कि उन कस्बों-गांवों में भी हैं, जहां पर जाना आज भी मुश्किल है। जो होम स्टे बन रहे हैं, वह तीन सितारा स्तर की सुविधाएं तक दे रहे हैं। इनमें एसी से लेकर गीजर, हीटर, चार बर्नर के गैस स्टोव, शानदार रूम के साथ ही वाहन खड़े करने के लिए स्पेशल पार्किंग तक की सुविधाएं हैं। ये सब सुविधाएं, बेदर्दी से काटे जा रहे वृक्षों से खाली हुए स्थान पर बन रहे होम स्टे में मिल जाएंगी। इतना ही नहीं, जहां पर अनुमति मिल रही है, वहां पर गंगा या उसकी सहायक नदियों के तट को छूती भूमि में भी होम स्टे कतारों में खड़े प्रकृति को मुंह चिढ़ाते नजर आते हैं। नाराज प्रकृति, इसका बदला धराली, केदारनाथ, यमुनोत्री, नैनीताल, अल्मोडा, बद्रीनाथ मार्ग आदि में लेती है और सामने आती है बरबादी।

संस्कृति का हास

होम स्टे भले नाम से बहुत अच्छे लगते हों पर इनकी बाढ़ या क्रांति कुछ भी कह लें, पहाड़ों की समस्याओं को सौ प्रतिशत बढ़ा दिया है। रिवर्स पलायन के उदाहरण दो प्रतिशत भी नहीं हैं, जबकि होम स्टे से हो रही समस्याएं कितनी हैं, उन्हें ऐसे समझा जा सकता है कि सरकार ने होम स्टे के लिए कुछ नियम बनाए थे, पर ये नियम कहीं पर भी पालन होते नजर नहीं आते। जहां पर बिजली है, वहां पर हीटर तथा गीजर जरूर हैं। कचरा निस्तारण के नाम पर उसे सड़क के किनारे फेंका जा रहा है या फिर इसे नदियों में आसानी से बहा दिया जाता है। कई होम स्टे तो ऐसे हैं जिनके पीछे जंगल है और ये अपना कचरा सीधे इसी जंगल में निस्तारित कर देते हैं। प्रदूषण की हालत यह है कि जगह-जगह पर्यटकों द्वारा फेंकी गई बोतलें-प्लास्टिक पॉलीथिन जलाई जाती नजर आती हैं। नदियों के किनारों पर बने होम स्टे या होटल जो बोतल मिक्स कचरा यहां-वहां फेंक देते हैं, वह हल्के से पानी के बहाव में नदी में अवरोध पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पानी का मार्ग रुकने पर क्या हो सकता है, यह सभी देख रहे हैं।

होम स्टे में मिलनेवाले भोजन में स्थानीय व्यंजन कम पनीर या मैगी अधिक होते हैं। लोकल फूड के नाम पर एक दो आइटम को छोड़कर यहां पर शीतल पेय, चिप्स, कुरकुरे या फिर उस जैसी शहरी वस्तुएं प्राथमिकता में हैं। इसका सीधा सा कारण है कि यह रेडी टू ईट हैं, जबकि स्थानीय फूड के लिए पहले जंगल या खेत में जाना होता है और उसमें काफी समय लगता है, जो होम स्टे कम होटल में रुके पर्यटकों को पसंद नहीं होता। होम स्टे क्या नुकसान कर रहे हैं, यह एक उदाहरण से समझा जा सकता है। ओम पर्वत-आदि वैसलाश यात्रा में जब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नहीं गए थे, तब तक वहां पर जाना बहुत मुश्किल था पर अब हालत यह है कि आदि वैसलाश तक इतनी बेहतरीन सड़क बन गई है कि उस पर गाड़ियां फर्राटा भरती हैं। ओम पर्वत की स्थिति तो यह है कि इससे महज पचास मीटर नीचे धुआं पैसलाती डीजल की गाड़ियां खड़ी होती हैं और तमाम ऐसे रेस्टोरेंट बन गए हैं, जो वहां पर भी गर्मी का अहसास करवा देते हैं। रही सही कसर रास्ते में खतरनाक स्थानों पर बने होम स्टे पूरी कर देते हैं।

शहरीकरण से नुकसान

होम स्टे से प्रकृति को जो नुकसान हो रहा है, वह हाल में धराली या मुखवा में हुए विध्वंस ने दिखा ही दिया है। रही बात पर्यटन की तो यह भी नकारात्मकता की ओर है। पर्यटक इस उम्मीद में कि यहां पर होम स्टे में स्थानीयता का आनंद मिल जाएगा इसलिए आते हैं और जब उन्हें उम्मीद से कम सुविधाएं या दूसरे लाभ मिलते हैं तो वह सोशल मीडिया के साथ ही माउथ पब्लिसिटी में भी नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। इसके साथ ही मई-जून की छुट्टियां हों या फिर अन्य त्योहार, जब इन पर भीड़ उमड़ती है तो सुविधाएं छोड़िए खाने के भी लाले पड़ जाते हैं और यदि प्राकृतिक आपदा आ गई तो उसका वर्णन पर्यटक इस तरह से करता है जैसे वह मौत के मुंह में से निकलकर आया है। यहां यह ध्यान नहीं रहता कि जो भगदड़ या गंदगी हो रही है, उसके लिए आधे पर्यटक भी जिम्मेदार हैं।

प्रश्न यह है कि आखिर प्रकृति और पर्यटन बचें वैससे? इसके उत्तर में विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार को अपने मानकों पर सख्ती से काम करना होगा और होम स्टे के नाम पर बन रहे होटलों जैसे घरों के मालिकों को यह स्पष्ट करना होगा कि वह स्थानीय संस्कृति और सुविधाओं में ही रहें न कि शहरीकरण से पहाड़ों को नुकसान पहुंचाएं। हां, आनेवाले टूरिस्टों के लिए प्रतिबंध लागू हों, इस पर भी कड़ाई बरतनी होगी। जब तक सरकार और स्थानीय निवासी मिलकर कोई काम नहीं करेंगे, तब तक धराली या केदारनाथ जैसी घटनाओं को रोक पाना मुश्किल होगा।

उत्सवधर्मा राष्ट्र भारत

भारत के सभी उत्सवों में कोई न कोई संदेश अवश्य रहता है। पूर्वजों ने पर्व और उत्सवों की रचना पूरे मनोयोग से की है। लोकमंगल को पर्व का ध्येय बनाना था। पिछले महीने वायुमंडल तप रहा था। अब रिमझिम वर्षा हो रही है। घर से निकले वर्षा होने लगी। सब कुछ भीग गया। तन भीगा, मन भीगा। वन उपवन भी वर्षा के साथ झूम रहे हैं। भारत प्राचीन देश है। विशाल भूखंड है। क्षेत्रीय विविधताएं हैं। अनेक बोलियां हैं। अनेक भाषाएं हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

भारत उत्सवधर्मा राष्ट्र है। यहां प्रतिदिन उत्सव है। प्रतिदिन उल्लास और हर समय आनंद की वर्षा। अभी बहुत समय नहीं हुआ, नाग पूजा का पर्व नागपंचमी बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। हनुमान जयंती के अवसर पर श्रद्धालु हिंदू घर से निकल पड़ते हैं। सामाजिक आयोजन में हिस्सा लेते हैं। सावन में शिवार्चन और रुद्राभिषेक चलते हैं। इसके पहले रामनवमी के उत्सवों की शृंखला लंबे समय तक चली है।

भारत के सभी उत्सवों में कोई न कोई संदेश अवश्य रहता है। पूर्वजों ने पर्व और उत्सवों की रचना पूरे मनोयोग से की है। लोकमंगल को पर्व का ध्येय बनाना था। पिछले महीने वायुमंडल तप रहा था। अब रिमझिम वर्षा हो रही है। घर से निकले वर्षा होने लगी। सब कुछ भीग गया। तन भीगा, मन भीगा। वन उपवन भी वर्षा के साथ झूम रहे हैं। भारत प्राचीन देश है। विशाल भूखंड है। क्षेत्रीय विविधताएं हैं। अनेक बोलियां हैं। अनेक भाषाएं हैं। इसलिए उत्सव और पर्व मनाने का ध्येय एक होने के बावजूद आयोजनों में विविधता है। आनंद के इस अतिरेक को लगातार बांटने और राष्ट्रजीवन की पंक्ति में गरीब वर्ग को भी सामूहिकता के रस रंग में झूमते हुए नृत्य करने का अवसर मिलना चाहिए। हमारा प्राचीन साहित्य वर्षा, सावन और उत्सवों के उल्लेख से भरा-पूरा है। सिनेमा में भी सावन और वर्षा के गीतों की बहार है। वर्षा में आनंद मगन होने के लिए किसी खास तैयारी की आवश्यकता नहीं होती। यहां कोई आरक्षण नहीं है। वर्षा गरीब-अमीर में भेद नहीं करती है। सावन किसान के लिए भी नृत्य मगन होने का अवसर है।

शहर से दूर ग्रामीण अंचल में भी सावन आता है और पूर्वजों द्वारा गढ़े गए उत्सवों के बीच हम सबको पुलकित करता है। ऐसे ही तमाम उत्सवों में से एक उत्सव है रक्षाबंधन।

'भारत रत्न' पी.वी. काणे ने 'धर्मशास्त्र का इतिहास' खंड चार (पृष्ठ 53) में लिखा है, 'श्रावण की पूर्णिमा को अपराह्न में एक कृत्य होता है, जिसे रक्षाबंधन कहते हैं। श्रावण की पूर्णिमा को सूर्योदय के पूर्व उठकर देवों, ऋषियों और पितरों का तर्पण करने के उपरांत अक्षत, तिल, धागों से युक्त रक्षा बनाकर धारण करना चाहिए।' रक्षाबंधन प्राचीन पर्व है। क्षेत्रीयता के प्रभाव में पर्व के मनाए जाने के तरीके अलग-अलग हैं। उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में बहनें अपने भाइयों को रक्षासूत्र बांधती हैं। मिठाई खिलाती हैं। भाई-बहन के मध्य प्राकृतिक आत्मीयता होती है। भाई इस अवसर पर बहन को हमेशा रक्षक बने रहने का आश्वासन देता है। पश्चिमी भारत विशेषतया कोंकण और मालाबार में सभी वर्गों के लोग समुद्र तट पर जाते हैं। समुद्र को पुष्प और नारियल अर्पित करते हैं। पी.वी. काणे ने बताया है कि 'सावन की पूर्णिमा को समुद्र में तूफान कम आते हैं, इसीलिए समुद्र देवता को नारियल चढ़ाया जाता है कि वे व्यापारी जहाज को सुविधा दे सकें।' साधारणतया उत्सवों में राजा नहीं जाते थे, लेकिन रक्षाबंधन के दिन राजा एक भवन में बैठता था और पुरोहित मंत्र पढ़ते थे। पी.वी. काणे ने बताया है, 'राजा के लिए महल में एक वर्गाकार भूमि स्थल पर जल पात्र रखा जाना चाहिए। उसे मंत्रियों के साथ आसन ग्रहण करना चाहिए। लगातार गीतों और आशीर्वचनों का तांता लगा रहना चाहिए। विद्वानों और ज्ञानियों को सम्मान देने के बाद राजपुरोहित को बुलाना चाहिए और यह मंत्र पढ़ते हुए राजा के हाथों में रक्षासूत्र बांधना चाहिए- येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबलरू। तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल-अर्थात मैं आपको यह रक्षा सूत्र बांधता हूं, जिसमें दानवों के राजा बलि बांधे गए थे। हे रक्षासूत्र हमारी रक्षा के लिए यहां से न हटो।' रक्षासूत्र के लिए यह मंत्र सर्वत्र पढ़ा जाता है।

पूर्वजों ने समाज के चिंतन में उत्सवों का रस घोल दिया है। रक्षासूत्र केवल राजा के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं था। साधारण जन भी अपने किसी परिजन से या गांव के किसी वरिष्ठ जन से रक्षासूत्र बंधवाते थे। भविष्योत्तर पुराण में लिखा है कि 'इंद्राणी ने इंद्र के दाहिने हाथ में रक्षासूत्र बांधा था। इससे इंद्र की शक्ति बढ़ गई और उन्होंने असुरों को पराजित कर दिया। रक्षासूत्र आदर्श परंपरा है। रक्षा प्रत्येक जीव की आकांक्षा है। कुछ जीवधारी रक्षा के लिए ही समूह बनाकर चलते हैं। कुछ जीवधारी अपने ऊपर हमला करनेवाले से अकेले ही लड़ते हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध और नियम मानने की पक्षधरता वाले समाज प्रगतिशील होते हैं। आत्मरक्षा मनुष्य सहित सभी प्राणियों की जिजीविषा है। राष्ट्र रक्षा के लिए अर्पित रहना उत्कृष्ट जीवन मूल्य है। भारत में यह परंपरा और राष्ट्र रक्षा का विचार ऋग्वेद के रचनाकाल के समय ही प्रकट हो गया था। इसी विचार परंपरा में रक्षासूत्र की बात चली होगी। रक्षासूत्र कोई कवच नहीं है। यह साधारण धागा नहीं है। हमारे देश में सभी मांगलिक अवसरों पर रक्षासूत्र की परंपरा है। मंदिरों में पुरोहित रक्षासूत्र बांधते हैं। विवाह आदि अवसरों पर भी रक्षासूत्र का चलन है। प्रगाढ़ भावना से बांधे गए रक्षासूत्र हमारे अंतःकरण में सकारात्मक रासायनिक परिवर्तन लाते हैं।

राष्ट्र की रक्षा राजा का प्रथम कर्तव्य है। पुरोहित रक्षासूत्र बांधकर उसे प्राथमिक कर्तव्य का स्मरण कराता था। यहां पुरोहित का अर्थ सामान्य प्रवचनकर्ता या कथावाचक नहीं है। पुरोहित का अर्थ है 'पुर का हितैषी।' पुरोहितों की परंपरा के विस्तार से राष्ट्रजीवन को लाभ हुआ। फिर यही परंपरा बहनों द्वारा भाई को रक्षासूत्र बांधने के रूप में भी व्यापक हो गई। रक्षासूत्र का मूल आधार प्रेम और कर्तव्य है। बहनों द्वारा भाइयों को रक्षासूत्र बांधना ठीक है। शिष्य द्वारा आचार्य को और छात्र द्वारा अध्यापक को रक्षासूत्र बांधने का क्रम चलना चाहिए। कितना सुंदर हो कि शिष्य रक्षासूत्र लेकर आगे बढ़े और आचार्य के श्रीचरणों में निवेदन करे, 'मैं आपको यह रक्षासूत्र समर्पित करता हूं। आपके हाथों को सुसज्जित करता हूं। यह रक्षासूत्र मेरी भी रक्षा करे और आपकी अभिरक्षा में हम ज्ञान प्राप्त करें।' आधुनिक भारत में ज्ञान विज्ञान और तकनीकी का अद्भुत प्रयोग चल रहा है। राष्ट्र जीवन के सभी क्षेत्रों में उन्नति हुई है। समूचे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। लोगों की आय बढ़ी है। व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। कारें बढ़ी हैं। गगनचुंबी भवन बढ़े हैं। बाजार में रक्षासूत्रों की बहार है। तरह-तरह के रंग हैं। सोने-चांदी के भी रक्षासूत्र हैं। परंपरा बाजार की चेरी बनाई जा रही है। हमारी प्रतिष्ठा बाजार तय कर रहा है। हमारे जीवन में कोई कमी जरूर है। कोई छिद्र है, जिससे उल्लास रस रिसता है और हम तमाम संपन्नता के बावजूद रीते-रीते बने रहते हैं।

मानव श्रृंखला, साइकिल रैली, रंगोली से दें हर घर तिरंगा अभियान के संदेश : कलेक्टर

हर घर तिरंगा अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करें : कलेक्टर

रीवा 11 अगस्त 2025. कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि 14 अगस्त तक जिले भर में हर घर तिरंगा अभियान और स्वच्छता के कार्यक्रम लगातार आयोजित करें। सभी कार्यालय प्रमुख कार्यालय भवन और परिसर की साफ-सफाई के साथ तिरंगा रैली निकालें। सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में रंगोली बनाकर हर घर तिरंगा अभियान और स्वच्छता के संदेश दें। जिला शिक्षा अधिकारी 13 और 14 अगस्त को जिला और विकासखण्ड स्तर पर विद्यार्थियों की मानव श्रृंखला बनाकर अभियान में भागीदारी निभाएं। हर घर तिरंगा अभियान में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनता की भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अभियान के तहत जिले भर में मानव श्रृंखला, तिरंगा साइकिल रैली, तिरंगा बाइक रैली तथा रंगोली के माध्यम से हर घर तिरंगा अभियान और हर घर स्वच्छता अभियान के संदेश दें।

कलेक्टर ने कहा कि जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकासखण्ड मुख्यालय तथा सभी ग्राम पंचायतों में तिरंगा रैली और तिरंगा यात्रा निकालें। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा ग्राम स्तरीय कर्मचारियों के साथ आमजनता की भागीदारी सुनिश्चित करें। आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहरी क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में तिरंगा यात्रा निकालें। हर व्यक्ति को अपने घरों में स्वेच्छा से तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करें। तिरंगा राष्ट्र की गरिमा, सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस हमारा सबसे बड़ा त्यौहार है। जिले भर में पूरे उल्लास और उमंग के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाएं तथा हर घर तिरंगा अभियान में भागीदारी निभाएं। जिला मुख्यालय में 12 अगस्त को स्पोर्ट्स काम्पलेक्स से सुबह 8.30 बजे तिरंगा साइकिल रैली निकाली जाएगी। इसमें लगभग 500 व्यक्ति शामिल होंगे। आयुक्त नगर निगम, जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला खेल अधिकारी इसके लिए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। अभियान के तहत 13 अगस्त को माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के सभागार में शाम 7 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियाँ आयोजित करने के साथ उनका समुचित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया के साथ-साथ हर घर तिरंगा अभियान पोर्टल पर भी अच्छे फोटोग्राफ्स के साथ गतिविधि का विवरण अपलोड करें। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी स्वच्छता अभियान तथा तिरंगा रैली का आयोजन कराएं। सभी शिक्षण संस्थाओं तथा कार्यालयों में भी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा झण्डा फहराएं। ध्वजारोहण के समय ध्वज संहिता का पूरी तरह से पालन करें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने हर घर तिरंगा अभियान तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह के तैयारियों की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले भर में कार्यालयों में चलाया गया हर घर तिरंगा और स्वच्छता अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में कार्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में हर घर तिरंगा अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुबह 8 बजे से 10 बजे तक कार्यालय तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की। कार्यालय के अभिलेखों को व्यवस्थित किया गया। इसके साथ-साथ विभिन्न कार्यालयों में तिरंगा यात्राएं निकाली गईं। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि 11 अगस्त को जन अभियान परिषद द्वारा विकासखण्ड त्योंथर के ग्राम सोहागी में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह, जिला शिक्षा केन्द्र में जिला समन्वयक विनय मिश्रा तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों ने साफ-सफाई की। इसी तरह ग्राम पंचायत सदहना में पंचायत भवन परिसर में सरपंच एवं ग्रामीणों ने साफ-सफाई की। ग्राम पंचायत लेड़ुआ तथा जनपद पंचायत सिरमौर में साफ-सफाई करके तिरंगा रैली निकाली गई। इसी तरह जनपद शिक्षा केन्द्र रीवा, ग्राम पंचायत कुशहा, जनपद शिक्षा केन्द्र रायपुर कर्चुलियान, आंगनवाड़ी केन्द्र त्योंथर तथा ग्राम पंचायत सोनौरा एवं इटौरा में भी साफ-सफाई करके तिरंगा रैली निकाली गई।

कलेक्टर ने बताया कि कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कार्यालय परिसर की सफाई करके हर घर तिरंगा अभियान में योगदान दिया। संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय में जनसम्पर्क अधिकारी उमेश तिवारी तथा शिवप्रसन्न शुक्ल सहित अन्य कर्मचारियों ने साफ-सफाई की। संभागीय आईटीआई में प्राचार्य, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने परिसर में साफ-सफाई की। एसडीएम हुजूर कार्यालय में एसडीएम वैशाली जैन तथा अन्य राजस्व अधिकारियों ने कार्यालय में साफ-सफाई के बाद तिरंगा रैली निकाली।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में चलाएं तिरंगा और स्वच्छता अभियान : जिला पंचायत अध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान के तहत जिला पंचायत रीवा में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल के नेतृत्व में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने जिला पंचायत कार्यालय में कार्यालय तथा परिसर में साफ-सफाई की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में हर घर तिरंगा अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधि और आमजनता बढ़चढ़ कर भागीदारी निभाएं। हमारा परिवेश और हमारा मन साफ-सुथरा रहेगा तो हम सब स्वस्थ और प्रसन्न रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पंचायत पदाधिकारी तथा आमजन अपनी भागीदारी निभाएं। हर व्यक्ति राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक तिरंगे को अपने घर में फहराकर हर घर तिरंगा अभियान में सहभागी बनें।

सड़क पर मनचले की पिटाई, बहन से छेड़खानी करने पर भाई ने पीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। धोबिया टंकी चौराहे पर रविवार को एक युवक ने अपनी बहन से छेड़खानी करने वाले एक मनचले की सरेआम पिटाई कर दी। युवक ने सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर आरोपी को पीटा। स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल से इस घटना का वीडियो बना लिया। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई की बात कही है।

बाइक सवार मनचले ने की थी छेड़खानी: प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक अपनी बहन के साथ बाइक से बाजार की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक और बाइक सवार युवक ने युवती के साथ छेड़खानी कर दी। बहन से बदसलूकी की जानकारी मिलते ही भाई का गुस्सा फूट पड़ा और उसने मौके पर ही मनचले को पकड़कर जमकर पीटा।

बीच सड़क पर चला हाई वोल्टेज ड्रामा: घटना के दौरान सड़क पर दोनों के बीच हाथापाई होती रही। युवक ने मनचले को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर मारा। यह देख मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। कुछ राहगीरों ने बीच-बचाव किया, लेकिन तभी कुछ लोगों ने भीड़ का फायदा उठाकर आरोपी के साथ मारपीट की।

अब तक थाने में नहीं हुई कोई शिकायत: कोतवाली थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने बताया कि इस मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से थाने में न तो कोई शिकायत दर्ज कराई गई है और न ही आवेदन दिया गया है। अगर शिकायत मिलती है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल छेड़खानी करने वाले युवक की पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है। वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस अब उसकी पहचान करने की कोशिश कर रही है। मामला पूरे शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

कलेक्टर ने पानी की टंकियों के परिसर में अनाधिकृत प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने मध्यप्रदेश जल निगम की कंदैला समूह जल प्रदाय योजना की 29 टंकियों के परिसर, इंटेक वेल तथा जल शोधन संयंत्र में अनाधिकृत प्रवेश पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत लगाए गए हैं। आमजनों की सुरक्षा और पेयजल से जुड़े निर्माण कार्यों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर प्रतिबंध के आदेश दिए गए हैं। यह प्रतिबंध ग्राम टिकुरी, ग्राम सगरा में बनाए गए इंटेक वेल तथा जल शोधन संयंत्र एवं 29 पानी की टंकियों के परिसर में अनाधिकृत प्रवेश पर लगाए गए हैं। इन परिसरों में केवल महाप्रबंधक मध्यप्रदेश जल निगम रीवा की अनुमति के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, एसडीओपी, थाना प्रभारी तथा जल निगम के सभी अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं संबंधित ग्राम पंचायतों के सचिव आदेश का पालन सुनिश्चित करें। वर्तमान परिस्थितियों में आदेश की व्यक्तिगत तामीली संभव नहीं है इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 162 (2) प्रावधानों के तहत एकपक्षीय रूप में पारित किया जा रहा है।

प्रजापति समाज के स्टूडेंट्स को स्कूल में एडमिशन में दिक्कत, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के प्रजापति समाज के लोगों को मैपिंग में उनकी जाति को सूची से हटा दिया गया है। इससे इन्हें जाति प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। जिला मुख्यालय से इटौरा गांव 30 किलोमीटर दूर है। यहां पर कुम्हार समुदाय के 15-20 परिवार रहते हैं। ये लोग खेती-बाड़ी के साथ अपना पारंपरिक काम मटके-गमले और मूर्तियां बनाने का काम करते हैं। गांव के रामजी प्रजापति बताते हैं कि मेरे पास खेती नहीं है। मैं अपने परिवार का भरण-पोषण पुश्तैनी कामकाज से होने वाली आमदनी से करता हूं। मेरे दो

बच्चे हैं। बेटा उत्कृष्ट विद्यालय नईगढ़ी में 11वीं कक्षा में पढ़ता है। बेटी 9वीं कक्षा में पढ़ रही है।

लोग बोले- बच्चों के जाति प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहे: रामजी के अनुसार, परेशानी तब शुरू हुई जब मऊगंज रीवा से अलग होकर नया जिला बना। अब बच्चों के जाति प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहे हैं। एक साल से हम सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। जब हम लोक सेवा केंद्र जाते हैं, तो वहां के कर्मचारी बताते हैं कि पोर्टल पर आपकी जाति दर्ज नहीं है। इस कारण प्रमाण पत्र जारी नहीं हो सकता।

जाति प्रमाणपत्र नहीं होने से एडमिशन नहीं हो रहे: शिवराजपुर गांव की रोहिणी प्रजापति कहती हैं कि हम लोग पुरखों के जमाने से अपना पारंपरिक काम कर रहे हैं। मेरी बेटी 12वीं और बेटा 5वीं कक्षा में हैं। लेकिन जाति प्रमाणपत्र नहीं बन पा रहा है। श्यामलाल प्रजापति ने बताया कि गांव के स्कूल में मेरे परिवार के चार बच्चों का एडमिशन सिर्फ इसलिए नहीं हो पा रहा है।

भर्ती प्रक्रिया समय से करें पूर्ण, निर्माण कार्यों की करें सतत निगरानी : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में विभागीय विषयों की समीक्षा की। उन्होंने फार्मासिस्ट ग्रेड-2, नेत्र सहायक एवं ओ.टी. टेक्नीशियन के पदों की भर्ती प्रक्रिया सितंबर 2025 तक पूर्ण करने के लिए ई.एस.बी. से समन्वय कर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। चिन्हित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सिविल अस्पतालों का संचालन आउटसोर्स पद्धति से करने के प्रस्ताव को मंत्रि-परिषद् के समक्ष प्रस्तुत करने की तैयारी के निर्देश भी दिए।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बंधपत्र चिकित्सकों की नियुक्ति और कार्यस्थल में उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रीवा चिकित्सा महाविद्यालय में बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी तथा रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में प्राध्यापक पद सृजन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही रीवा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के उन्नयन कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए आवश्यक प्रशासनिक अनुमोदन की कार्यवाही करने के विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यू.जी. एवं पी.जी. सीट्स अपग्रेडेशन, पीएम-अभीम एवं 15वें वित्त आयोग से प्राप्त राशि का पूर्ण उपयोग सुनिश्चित करने के लिए मासिक कार्ययोजना बनाने और सतत् समीक्षा करने के निर्देश दिए।

जिला पर्यटन विकास समिति ने वेंकट भवन में चलाया हर घर तिरंगा अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी स्वच्छता अभियान तथा तिरंगा रैली आयोजित की जा रही है। इस क्रम में जिला पर्यटन विकास समिति द्वारा ऐतिहासिक वेंकट भवन में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस तिरंगा रैली में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, कलेक्टर प्रतिभा पाल, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सहित विभिन्न अधिकारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी शामिल हुए।

दीवारें गंदा करने और कचरा फैलाने पर लगेगा एक हजार रुपए जुर्माना : कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी कार्यालयों में साफ-सफाई तथा तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम आयोजित किए गए। कमिश्नर बीएस जामोद ने शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान का जायजा लिया। कमिश्नर ने ए ब्लॉक के विभिन्न कार्यालयों और परिसर का भ्रमण किया। कमिश्नर श्री जामोद ने स्वच्छता अभियान में भी भागीदारी निभाई। इस अवसर अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालय और इसके परिसर की साफ-सफाई पर ध्यान दें। शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक में कई संभागीय और जिला कार्यालय संचालित हैं। इसकी सीढ़ियों तथा दीवारों पर चारों ओर गंदगी फैली है।

दीवारों को गंदा करने और कचरा फैलाने वालों पर एक हजार का जुर्माना लगाएं। अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय को साफ-सुथर और व्यवस्थित रखें। शासन के निर्देशों के अनुसार हर घर तिरंगा अभियान तथा हर घर स्वच्छता अभियान में पूरी जिम्मेदारी के साथ भागीदारी निभाएं। इसके बाद कमिश्नर श्री जामोद तथा आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक से वेंकट भवन तक चलाए जा रहे साफ-सफाई अभियान में भागीदारी निभाई। इस अवसर पर विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित आवेदन निराकृत करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि सभी अधिकारी समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरण तत्परता से निराकृत करें। मांग आधारित आवेदनों को बंद करने की कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। राजस्व विभाग, ऊर्जा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के द्वारा आवेदन पत्रों के निराकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं है। लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम राजस्व प्रकरणों का विशेष प्रयास करके निराकरण कराएं। लंबित प्रकरणों के संबंध में पटवारियों से प्रतिवेदन करके उनका निराकरण सुनिश्चित करें। अधीक्षण यंत्री ऊर्जा बिजली की आपूर्ति तथा बिलों में सुधार के प्रकरण चार दिन की समय सीमा में पूरा करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा कार्यपालन यंत्री पीएचई भी सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का तत्परता से निराकरण करें। सीएम हेल्पलाइन में आवेदन पत्रों में कार्यवाही न करने वाले एल-1 अधिकारियों की एक वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि वाहन दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को समय पर उपचार पहुंचाने के लिए ई डॉर पोर्टल शुरू किया गया है। दुर्घटना के एक घण्टे के भीतर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति् को 25 हजार रुपए की सहायता राशि राहवीर योजना से दी जाती है। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी द्वारा पोर्टल पर जानकारी दर्ज की जाती है। पीड़ित को दी गई उपचार की जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा दर्ज की जाती है। इसी तरह वाहन के संबंध में जिला परिवहन अधिकारी तथा सड़क के संबंध में लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम एवं अन्य सड़क बनाने वाले विभाग जानकारी ऑनलाइन दर्ज करते हैं। कलेक्टर ने 41 प्रकरणों पर कार्यवाही न करने के कारण जिला प्रबंधक एमपीआरडीसी को नोटिस देने के निर्देश दिए।

दादाजी दरबार में शराब पीकर पहुंचा पुलिसकर्मी थाली में भोजन छोड़ने पर टोका तो दी झूठे केस में फंसाने की धमकी, कहा-जेल भेज दूंगा

नर्मदापुरम, (एजेंसी)। नर्मदापुरम में एक पुलिसकर्मी शराब के नशे में धार्मिक कार्यक्रम में पहुंचा और जमकर हंगामा किया। सेवादारों के टोकने पर उन्हें वर्दी की धौंस दिखाई। झूठे केस में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी की मेडिकल जांच कराई है। टीआई ने वैधानिक कार्रवाई की बात कही है।

मामला रविवार रात 10-45 बजे हैप्पी मैरिज गार्डन का है। यहां बीते दो महीने से दादाजी धूनी वाले का दरबार लगा है। बड़ी संख्या में लोग यहां रोज पहुंच रहे हैं। जिनके लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई है।

दरबार के सेवादार साहब सिंह ने बताया- पुलिस लाइन में पदस्थ आरक्षक रूपेश नरवरे टी-शर्ट और शॉर्टस पहनकर दरबार में आया था। उसके मुंह से शराब की बदबू आ रही थी।

उसने भोजन कक्ष में जाकर थाली ली। फिर खाना अधूरा छोड़कर फेंकने लगा। सेवादारों ने टोका तो वह उन्हें धमकाने लगा। शुक्रवार-शनिवार को भी नशे में पहुंचा था

रूपेश के बर्ताव से परेशान होकर सेवादारों ने उसे गार्डन के हॉल में बैठाया और पुलिस को फोन लगा दिया। रात करीब 11 बजे कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचीं। रूपेश को थाने ले आए। टीआई ने जरूरी एक्शन लेने की बात कही है।

सेवादारों का आरोप है कि रूपेश नरवरे शुक्रवार और शनिवार को भी वर्दी पहनकर नशे की हालत में दरबार पहुंचा था। सेवादारों ने उसे चेतावनी दी थी कि वह भविष्य में ऐसा न करे। इसके बावजूद वह रविवार को एक बार फिर नशा करके धार्मिक कार्यक्रम में पहुंच गया।

विधानसभा में उठ चुका अवैध शराब का मुद्दाः नर्मदापुरम-इटारसी विधानसभा क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री और होम डिलीवरी का मुद्दा विधानसभा में उठ चुका है। क्षेत्रीय विधायक और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा था कि नर्मदापुरम, इटारसी और आसपास के ग्रामीण इलाकों में खुले स्थानों पर बड़े पैमाने पर अवैध शराब बेची जा रही है। घर-घर तक पहुंचाई जा रही है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों की लगातार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।गले में 10 से 12 टांके आए हैं और हादसे में एक उंगली भी कट गई। रक्षाबंधन पर भी कई घायल शनिवार को सुभाष नगर निवासी आनंद गोसर और उनकी पत्नी मुस्कान, जावरा फाटक के पास से गुजर रहे थे, तभी डोर से घायल हो गए।

सेजावता निवासी समीर, रतलाम-जावरा फोरलेन पर चायनीज डोर से गंभीर रूप से घायल हो गया था। जितेंद्र प्रजापत और दो बच्चे भी उसी दिन अस्पताल में भर्ती हुए थे। प्रशासन बेखबर, धड़ल्ले से बिक रही चायनीज डोर स्थानीय लोगों ने बताया कि चायनीज डोर पर प्रतिबंध के बावजूद बाजार में आसानी से उपलब्ध है। यह डोर मेटल से बनी होती है और बेहद तेज होती है, जो त्वचा को चीर देती है। ऐसे में सवाल उठता है कि प्रतिबंध के बावजूद प्रशासन इसे रोकने में क्यों नाकाम है।

खंडवा के खाटूश्याम मंदिर में चार लाख की चोरी-चांदी के छत्र-मूर्तियां समेत नकदी ले गया बदमाश, पूरी वारदात सीसीटीवी में रिकॉर्ड

खंडवा, (एजेंसी)। खंडवा के खाटूश्याम मंदिर से एक नकाबपोश चोर चांदी के पांच छत्र, मूर्तियां और नकदी चुराकर फरार हो गया। पूरी वारदात मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। आनंद नगर स्थित मंदिर में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब 1-30 चोर सब्बल लेकर घुसा। उसने मुंह को नकाब से ढंक रखा था और कैमरा देखते ही चेहरा छिपा लिया। चोर ने पहले मुख्य गेट का ताला तोड़ा, फिर पट खोलकर सीधे गर्भगृह तक पहुंचा और चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

मंदिर से चोरी हुआ यह सामान: मंदिर के पुजारी पीयूष पाल ने बताया कि बदमाश मंदिर से करीब चार लाख रुपए का सामान ले गया

- चांदी के पांच छत्र– एक बड़ा (2 किलो), चार छोटे (आधा-आधा किलो)
- पीतल की तीन मूर्तियां– श्रीकृष्ण, राधा रानी, गणेश जी
- चांदी का एक चंवर, तीन कटोरी, एक ग्लास, दो दीपक
- करीब 40,000 नकद – जो एकादशी आयोजन की देनदारी के लिए रखे थे
- दीवार फांदकर रेलवे ट्रैक की तरफ भागा
- चोरी के बाद बदमाश मंदिर के पीछे की दीवार फांदकर रेलवे ट्रैक की ओर भाग गया। सुबह जब पुजारी मंदिर खोलने पहुंचे, तो ताले टूटे देखे। गर्भगृह में भक्तमंडल और पुलिस को सूचना दी।

रायसेन में आरक्षक ने सरकारी क्वार्टर में लगाई फांसी, पंखे से लटका मिला शव, 2024 से कोतवाली में पदस्थ थे

रायसेन, (एजेंसी)। रायसेन के थाना कोतवाली में पदस्थ 26 साल के आरक्षक ने सरकारी क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार रात करीब 9 बजे उनका शव पंखे से लटकता मिला। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने उन्हें नीचे उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक आरक्षक अवतार सिंह उत्तर प्रदेश के ललितपुर के रहने वाले थे। वो 2024 से थाना कोतवाली में पदस्थ थे। एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने बताया कि आरक्षक ने आत्महत्या क्यों किया इसका कारण अभी अज्ञात है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शादी के लिए रिश्ते आ रहे थे, घर-परिवार से परेशानी नहीं थी: पोस्टमार्टम के बाद थाना कोतवाली में आरक्षक को सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि देकर विदाई दी गई। मृतक आरक्षक के चचेरे भाई मानवेंद्र सिंह ने बताया कि अवतार सिंह को घर-परिवार से कोई परेशानी नहीं थी। उनकी शादी के लिए रिश्ते भी आ रहे थे। उन्होंने कभी भी फोन पर किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। अवतार सिंह के पिता पोस्ट ऑफिस में कार्यरत थे। उनका स्वर्गवास एक साल पहले हो चुका है। परिवार में तीन बहनें और मां हैं।

रतलाम में चायनीज डोर से दो दिन में 8 घायल, युवक की सांस नली कटी; इशारों में बातचीत कर रहा, एक को गले में 4 टांके आए

रतलाम, (एजेंसी)। रतलाम शहर में पतंगबाजी के लिए उपयोग हो रही चायनीज डोर अब जानलेवा साबित हो रही है। रक्षाबंधन से लेकर रविवार तक दो दिन में दो बच्चों सहित 8 लोग घायल हो चुके हैं। इनमें से एक युवक की हालत अब भी गंभीर है। वह इशारों में बात कर पा रहा है। रविवार को दो और युवक चायनीज डोर की चपेट में आकर घायल हो गए।

गले में लगा गहरा घाव, 4 टांके आए : रविवार को रतलाम जिले के पलसोड़ी गांव के पास कमल (25) पिता कांतू मुनिया, निवासी कोटलिया (राजस्थान), बाइक चला रहा था। उसके साथ मां और चार साल की बेटी भी थीं। अचानक चायनीज डोर उसके गले में लिपट गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। कमल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गले में एक इंच गहरा घाव है, हालांकि सांस नली और मुख्य रक्त नलिकाएं कटने से बच गईं। गले में 4 टांके आए हैं। डॉक्टरों ने ईएनटी विभाग में इलाज जारी रखा है।

108 एंबुलेंस चालक भी घायल : रविवार शाम लखन राठौड़ (21), जो 108 एंबुलेंस का ड्राइवर है, भी घांस बाजार में चायनीज डोर की चपेट में आ गया। वह बाइक से किराना लेने जा रहा था। बाइक पर पीछे 108 के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर भी सवार थे। अचानक डोर गले में फंस गई, जिससे दोनों तरफ घाव हो गया और उसे एक टांका आया।

गंभीर घायल युवक की हालत अब भी नाजुकः रक्षाबंधन के दिन समीर (19) पिता शकूर खान के गले की सांस नली कट गई थी। डॉक्टरों ने 45 मिनट के ऑपरेशन के बाद ट्रेकियोस्टॉमी ट्यूब लगाकर उसकी जान बचाई। अभी वह IC में भर्ती है, और सिर्फ इशारों में बात कर पा रहा है। उसे तरल आहार दिया जा रहा है, और डॉक्टरों ने बोलने से मना किया है। गले में 12 टांके आए बांगरोद निवासी जितेंद्र प्रजापत भी शनिवार को चायनीज पत्नी संजू ने बताया कि पतंग की डोर अचानक गले में आ गई थी।

रक्षाबंधन पर नाना के घर आए दो मासूम डूबे, मौत

गांव के बच्चों के साथ नहाने गए थे तालाब, मृतक दो सगी बहनों के बच्चे

जबलपुर, (एजेंसी)। रक्षाबंधन पर मां के साथ नाना-नानी के घर आए दो मासूमों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। हादसा रविवार शाम उस समय हुआ जब दोनों भाई (मौसी के लड़के) गांव के लड़कों के साथ खेलते-खेलते तालाब के पास पहुंच गए और फिर नहाने लगे। इसी बीच गहरे पानी में जाने से डूब गए। ग्रामीणों ने देर शाम दोनों बच्चों के शव निकाल लिए। सोमवार को पोस्ट मार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर ग्राम सरोली की है। डूबने वाले दोनों बच्चे सगी बहनों की औलाद थे। इन दोनों बच्चों के डूबते ही साथ गए गांव के अन्य बच्चे वापस गांव लौटे और लोगों को घटना की जानकारी दी। तुरंत ही गांव के तैराकों ने बच्चों को बचाने के प्रयास शुरू कर दिए पर सफल नहीं हुए। इस बीच मझगवां थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शव का पंचनामा बनवाया और पोस्ट मार्टम के लिए सिहोरा अस्पताल पहुंचाया। संध्या और उसकी बहन रानू रक्षाबंधन पर अपने पिता कालू कोल के गांव सरोली आई थीं। उनके साथ बच्चे क्रमश- देव कोल 6 वर्ष और आशिक कोल 8 वर्ष भी आए थे। दोनों बहनों को रविवार शाम को ही अपने-अपने घर (ससुराल) लौटना था। तभी देव और आशिक गांव के अन्य बच्चों के साथ तालाब पर चले गए और यह हादसा हो गया।

रक्षाबंधन पर दोनों बेटियों के आने से कालू कोल के घर में खुशी का माहौल था। दोनों बेटी एक साल बाद घर आई थीं। रक्षाबंधन में देव और आशिक के हाथों में बहनों ने राखी बांधी थीं। कुछ घंटे पहले तक जहां परिवार में खुशियां थीं, वही अब मातम पसरा था। परिवार वालों को भरोसा नहीं हो रहा है कि उनके दो मासूम बच्चे इस दुनिया में अब नहीं हैं। देव कोल दो भाईयों में छोटा था, तो आशिक तीन भाईयों में सबसे बड़ा था।

अस्पताल में नहीं था डॉक्टर, नर्स ने किया चेक : बच्चों के मौत की जानकारी लगते ही उनके पिता विजय कोल और मदन कोल भी देर रात को ग्राम तिलमन से मझगवां पहुंच गए थे। परिजनों का कहना है।

पीएमश्री के 90 हजार छात्रों के लिए कंप्यूटर कक्ष, अत्याधुनिक लैब और खेल मैदान बनेंगे

सीहोर, (एजेंसी)। जिले सहित प्रदेशभर के पीएमश्री विद्यालयों में अब विद्यार्थियों की लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। ताकि उन्हें अध्यापन करने में कोई परेशानी न हो। समग्र शिक्षा अभियान के तहत इसके लिए करीब लिए 67 करोड़ 96 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस राशि से पीएमश्री स्कूलों में खेल मैदान सहित कंप्यूटर रूम के लिए अतिरिक्त कक्ष और सर्व सुविधायुक्त लैब के लिए अलग से कक्ष बनाया जाएगा।

जिले सहित प्रदेश के कुल 65 स्कूलों में खेल मैदान, 183 स्कूलों में लैब के लिए अतिरिक्त कक्ष और 214 स्कूलों में कंप्यूटर रूप में अतिरिक्त कक्ष बनवाया जाएगा। जिले के 6 स्कूलों में 16 लाख 30 हजार रुपए की लागत से लैब के लिए अतिरिक्त कक्ष और कंप्यूटर रूप में लिए भी 16 लाख 30 हजार रुपए की लागत से बनाए जाएंगे। यहीं 5 लाख की लागत से खेल मैदान बनाए जाएंगे। इन निर्माण के बाद अब पीएमश्री स्कूलों के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक लैब और कंप्यूटर कक्ष की सुविधा भी मिल सकेगी। ताकि उन्हें पढ़ाई करने में कोई परेशानी न हो। सभी खेल मैदान 2 महीने में जबकि अतिरिक्त कक्ष का निर्माण 4 महीने में पूरा किया जाएगा।

पीएमश्री स्कूलों में जो सुविधाएं बढ़ाई हैं उनमें सीहोर जिले के 6 स्कूलों को लाभ मिलेगा। इन सुविधाओं से करीब 90 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं को सुविधा मिलेगी। निर्माण को लेकर आदेश भी जारी हो चुके हैं। डीपीसी आरआर उइके ने बताया कि स्कूलों में लैब के लिए अतिरिक्त कक्ष और कम्प्यूटर रूप में अतिरिक्त कक्ष बनाए जाने के बाद यहां सर्व सुविधायुक्त लैब भी संचालित होगी। जिससे विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

सुविधाएं बढ़ाने के लिए बजट जारी ट्ट लोक शिक्षण संचालनालय ने पीएमश्री स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए निर्माण कार्यों का बजट जारी किया है। सभी खेल मैदान 2 महीने में पूरे होना हैं, जबकि अतिरिक्त कक्ष का निर्माण 4 महीने में पूरा किया जाना है। तय समय में काम पूरा करेंगे। आरआर उईके, डीपीसी सीहोर

दिसंबर से पहले सभी भवन तैयार करने का लक्ष्य, सुधरेगा स्तर इधर जहां स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय काम कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सांदीपनी विद्यालयों की इमारतों के काम पूरा होने पर भी संचालनालय फोकस कर रहा है। अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर से पहले सभी विभागों की इमारतें पूरी हो जाएंगी। यदि ऐसा होता है तो विद्यार्थियों को निजी स्कूलों से बेहतर सरकारी स्कूल की बिल्डिंग मिल सकेंगी। सुविधा बढ़ने से विद्यार्थियों की पढ़ाई का स्तर भी सुधरेगा।

इधरज 8 करोड़ के संगीत उपकरण भी खरीदे जा रहे हैं सांदीपनि और पीएमश्री स्कूलों में अब पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को सांस्कृतिक गतिविधियों में भी आगे लाया जाएगा। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने करीब 8 करोड़ के संगीत उपकरण खरीदी के लिए भी आदेश जारी कर दिए हैं। इनकी टैंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। संभवत- अगले तीन महीने में ये संगीत उपकरण सभी सांदीपनी (सीएम राइज) और पीएमश्री में पहुंच जाएंगे। डीपीआई ने जो संगीत उपकरण खरीदी के टैंडर जारी किए हैं उनमें तबला, बोंगो, जैज ड्रम, सिंथेसाइजर, मंजीरा, ढोलक, बांसुरी, हारमोनियम, बास गिटार, इलेक्ट्रिक गिटार, कांगो, सिंथेसाइजर स्टैंड आदि शामिल हैं। ऑर्डर के साथ स्कूलों में भेजे जाने वाले उपकरण की सूची भी दी गई है। हालांकि अभी तक सीएम राइज की बिल्डिंग ही तैयार नहीं हुई हैं और न ही अभी कहीं भी संगीत की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।कि तालाब से निकालने के बाद फौरन उन्हें गांव के अस्पताल में इलाज के लिए ले गए थे, जहां डॉक्टर नहीं था। नर्स ने ही बच्चों का परीक्षण किया और उन्हें मृत घोषित कर दिया। दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है जबकि एक छोटी बहन है। ीआई अनिल रघुवंशी ने बताया कि दोनों फरार आरोपियों के खिलाफ भी एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी से एक एंड्रॉयड ओप्पो कंपनी का फोन जिसकी कीमत 10 हजार रुपए और परिवहन में उपयोग की गई मारुति 800 कार जिसकी कीमत लगभग 1 लाख रुपए है, भी जब्त की है।

उज्जैन में महापौर के मौसेरे भाई पर चाकू से हमला-पान की दुकान पर सौंफ नहीं देने पर हुआ विवाद, सीसीटीवी वीडियो आया सामने

उज्जैन, (एजेंसी)। उज्जैन में शुक्रवार-शनिवार की रात बदमाशों ने सौंफ मांगने को लेकर शुरू हुए विवाद में महापौर मुकेश टटवाल के मौसेरे भाई पर चाकू से हमला कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें आरोपी मिलकर मारपीट कर रहे हैं। एक बदमाश चाकू मारते हुए भी दिखाई दे रहा है। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना संत नगर में महापौर की पान की दुकान पर हुई। ढांचा भवन निवासी लक्ष्मीकांत अंधेरिया (38) महापौर के मौसेरे भाई हैं। शुक्रवार रात दुकान बंद कर रहे थे। तभी बदमाश लक्की उर्फ लोकेंद्र वाड़िया, सौरभ भरानी और पिंकेश अखंड (निवासी हाथीपुरा) वहां आए और सौंफ मांगी। इस दौरान कहासुनी हो गई। पहले बदमाशों ने लक्ष्मीकांत से मारपीट कर दी और चले गए, लेकिन कुछ देर बाद वे दोबारा लौटे और चाकू से हमला कर भाग गए। हमले में चाकू लक्ष्मीकांत के हार्ट के पास फेफड़ों में जा लगा। रविवार को उनका निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ, लेकिन डॉक्टरों ने अगले 72 घंटे उनकी स्थिति नाजुक बताई है। माधवनगर पुलिस ने वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

महापौर ने पुलिस को दी सूचनाः महापौर मुकेश टटवाल ने बताया कि दुकान उनकी है, जिसे उनका मौसेरा भाई संभालता है। दुकान बंद करते समय सौंफ न देने पर चार युवकों ने खुलेआम हमला किया। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हुई है। हमलावर यह तक कह रहे थे %महापौर तेरा भाई तो हमारा क्या बिगाड़ लेगा।% महापौर ने कहा कि एसपी को फोन करने के बाद ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की।

छतरपुर में नशा मुक्ति अभियान के तहत कार्रवाई-तीन आरोपी गिरफ्तार, कार समेत 216 लीटर अवैध शराब जब्त

छतरपुर, (एजेंसी)। राजनगर पुलिस ने नशा मुक्ति अभियान के तहत छतरपुर विक्रमपुर रोड पर पाय गांव के पास से 216 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त की है। पुलिस ने इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और एक होंडा कार Pv4BR0628 भी जब्त की है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार छतरपुर पुलिस अवैध मादक पदार्थों के संग्रह, विक्रय और परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले कुछ महीनों में छतरपुर पुलिस ने एनडीपीएस में 78 प्रकरण और आबकारी में 2 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने अब तक 52 कुंतल से ज्यादा अफीम के पौधे, 1 हजार किलोग्राम से ज्यादा गांजा, 500 से ज्यादा नशीली सिरप की शीशियां, 1 हजार 100 से ज्यादा नशीली टैबलेट, 200 से ज्यादा इंजेक्शन और 16 हजार लीटर से ज्यादा अवैध शराब जब्त की है।

गश्त के दौरान अवैध शराब की तस्करी की मिली थी सूचना : राजनगर टीआई परसराम डाबर ने बताया कि रात में गश्त के दौरान उन्हें कार से अवैध शराब की तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस टीम छतरपुर विक्रमपुर रोड पर पहुंची और पाय गांव के पास अस्थाई चेकिंग लगाई गई।

24 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब सहित 5 लाख की संपत्ति जब्त : संदेह के आधार पर छतरपुर की तरफ से आ रही एक कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार में 24 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब (करीब 216 लीटर) पाई गई। पुलिस ने शराब और होंडा कार सहित कुल करीब 5 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है।

इन आरोपियों की हुई गिरफ्तारी : इस मामले में सुरेंद्र सिंह परमार (कांटी गांव), सौरभ पटेल (बरायचखेड़ा गांव) और पर्वत सिंह यादव (गंगायच गांव) को गिरफ्तार किया गया है। तीनों आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है और मामले की विवेचना जारी है।

22 किलो डोडाचूरा के साथ तस्कर गिरफ्तार, दो फरार:मंदसौर में नारायणगढ़ पुलिस ने की कार्रवाई, मल्हारगढ़ रोड पर नाकाबंदी कर पकड़ा

मंदसौर, (एजेंसी)। मंदसौर की नारायणगढ़ पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 22 किलो डोडाचूरा के साथ कार सवार 1 आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर मल्हारगढ़ रोड स्थित बालाजी मंदिर के सामने नाकाबंदी कर बादरी की ओर से आ रही सिल्वर कलर की मारुति 800 कार (नंबर टीडी 14 यूआई 2398) को रोककर तलाशी तो उसमें एक सफेद प्लास्टिक के कट्टे में 22 किलो डोडा चूरा बरामद हुआ जिसकी कीमत लगभग 35 हजार रुपए आंकी जा रही है। कार सवार चालक झंडागली निवासी फिरोज खान(40) पिता अजीज खान को मौके से गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। पुलिसिया पूछताछ में पता चला कि आरोपी यह डोडाचूरा शहजाद हुसैन पिता अबरार हुसैन मंसूरी से लाया था और शाकिर खान पिता शहादत खान कबाड़ी को मल्हारगढ़ स्टेशन रोड स्थित निवास पर देने जा रहा था।

अपनी उपलब्धि से बहुत खुश हूं क्योंकि...: इंडियन ओपन 2025 भुवनेश्वर में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अन्नू रानी

भुवनेश्वर, ऐजंसी। भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कांस्य स्तर महाद्वीपीय स्तर के दौरे में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, ओलंपियन भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी ने घरेलू दर्शकों के सामने अपने प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त की और आगामी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करने की इच्छा व्यक्त की। रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में इंडियन ओपन 2025 विश्व एथलेटिक्स कांस्य स्तरीय कॉन्टिनेंटल टूर में ओलंपियन अन्नू ने अपनी प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर महिला भाला फेंक चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। कलिंगा स्टेडियम में अन्नू रानी ने 62.01 मीटर के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे और तीसरे स्थान पर श्रीलंका की एन डी एल हताराबाग लेका (56.27 मीटर) और दीपिका (54.20 मीटर) रहीं। पिछले हफ्ते पोलैंड में हुए आयोजन के दौरान, अन्नू रानी ने एक साल से भी ज़्यादा समय में पहली बार 60 मीटर से ज़्यादा की दूरी तय की, जिससे सर्किट पर उनके हफ्ते की सफलता का संकेत मिला। दरअसल, 62.59 मीटर का उनका विजयी थ्रो भी लगभग दो सालों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भुवनेश्वर में, 32 वर्षीय अन्नू ने 60 मीटर से ज़्यादा की दूरी दो बार तय की - दूसरा थ्रो उन्होंने अपने अंतिम प्रयास से पहले 61.01 मीटर किया। मिडिया से बात करते हुए, अन्नू ने कहा, ÷मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा, मैंने दो दिन पहले 62 मीटर का आंकड़ा पार किया और यह लगातार दूसरी प्रतियोगिता है जहां मैंने 62 मीटर का आंकड़ा पार किया। मैं अपनी उपलब्धि से बहुत खुश हूं क्योंकि मैंने बहुत थकी हुई स्थिति में खेला था। मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। अच्छी मानसिकता रखना बहुत जरूरी है। भले ही आप थके हुए हों, ल ेकिन दिमाग सही जगह पर है, तो आप अच्छा कर सकते हैं।÷ अन्नू ने यह भी बताया कि पोलैंड में ठंड ज़्यादा थी और भारत में गर्मी, इसलिए तकनीक पर भी उसी के अनुसार काम करना होगा। उन्होंने भारतीय दर्शकों के अपार प्रेम और स्नेह के बारे में भी बात की, जिन्होंने पहली बार इतने बड़े एथलेटिक्स मीट का अनुभव किया। उन्होंने कहा, ÷वातावरण वाकई बहुत अच्छा था। घरेलू मैदान पर स्वर्ण पदक जीतने का दबाव था। मुझे घरेलू दर्शकों का प्यार पाकर बहुत अच्छा लगा। रानी ने कहा कि वह इस वर्ष 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुकी हैं, इसलिए उन पर ज्यादा दबाव नहीं है। उन्होंने अंत में कहा, ÷हमारे कोच ने हमें विश्व चैंपियनशिप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और पदक लाने के लिए कहा है। जिस तरह से मैं प्रदर्शन कर रही हूँ, मैं जल्द ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगी।

पूर्वावलोकन: 15वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025, जालंधर, पंजाब

नई दिल्ली , ऐजंसी।15वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025, 12 अगस्त, 2025 को पंजाब के जालंधर में शुरू होगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त तक चलेगा और नए डिवीजन-आधारित प्रारूप का पालन करेगा, जिसे इस साल की शुरुआत में सीनियर और सब-जूनियर पुरुष और महिला तथा जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले ही लागू किया जा चुका है। भाग लेने वाली 30 टीमों को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में विभाजित किया गया है, जहाँ प्रमोशन और रेलीगेशन प्रतियोगिता को और भी रोमांचक बना देंगे। डिवीजन ए की टीमें खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि डिवीजन बी और सी की शीर्ष दो टीमें अगले स्तर पर प्रमोशन हासिल करेंगी। हॉकी इंडिया की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डिवीजन %ए% और %बी% की सबसे निचली दो टीमें 2026 के लिए अगले डिवीजन में रेलीगेशन का सामना करेंगी। डिवीजन ए में देश की 12 सर्वश्रेष्ठ जूनियर पुरुष टीमें शामिल हैं, जिनमें गत विजेता हॉकी पंजाब, उपविजेता हॉकी उत्तर प्रदेश और तीसरे स्थान पर रही हॉकी हरियाणा शामिल हैं। पूल मैच 16 अगस्त से शुरू होंगे और 20-23 अगस्त तक क्वार्टर-फ़ाइनल, सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल मैच खेले जाएँगे। टीमों को निम्नलिखित पूल में विभाजित किया गया है¬ पूल ए:हॉकी पंजाब, हॉकी मध्य प्रदेश, हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु पूल बी:उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र पूल डी: हॉकी कर्नाटक, हॉकी एसोसिएशन ऑफ रैंक वाली टीमों को डिवीजन ए में पदोन्नत किया जाएगा

जडेजा का असाधारण इंग्लिश समर: रिकॉर्ड, धैर्य और निरंतरता की कहानी

नई दिल्ली, ऐजंसी। भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बल्लेबाज के रूप में अपना पुनर्जागरण जारी रखा, इंग्लैंड में हाल ही में टेस्ट सीरीज के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए, और टीम के सबसे अनुभवी दिग्गज के रूप में भारी दबाव में अपनी कुछ सर्वश्रेष्ठ पारियां खेलीं। जडेजा ने पाँच मैचों और 10 पारियों में 86.00 की औसत से 516 रन बनाकर, जिसमें 107* उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा, श्रृंखला में चौथे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में समापन किया। उन्होंने श्रृंखला के दौरान एक शतक और पाँच अर्धशतक बनाए और 500 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे।

-जडेजा के इंग्लैंड दौरे पर एक नज़र: लीड्स में पहला टेस्ट निराशाजनक रहा, जिसमें उन्होंने 11 और 25* रन बनाए और सिर्फ एक विकेट लिया तथा लगातार चार अर्धशतक बनाए। बर्मिंघम और लॉर्ड्स में अपने अगले दो टेस्टों में,

बर्मिंघम में, कप्तान शुभमन गिल के साथ उनकी लंबी साझेदारियों ने भारत के लिए इंग्लैंड के सामने 608 रनों का विशाल लक्ष्य रखने की नींव रखी, जो पहली ही गेंद से एवरेस्ट जैसा लग रहा था। उन्होंने 89 और 69* रन की नाबाद पारी खेली।

अगर बर्मिंघम में रनों की भरमार थी, तो लॉर्ड्स के मैच ने दुनिया के सामने जडेजा की एक ऐसी टीम पेश की जिसे दुनिया कई बार देख चुकी है। वह बस इसे कुछ पायदान ऊपर ले जाने में कामयाब रहे। पहली पारी में, ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर के साथ उनकी निचले क्रम की साझेदारी ने भारत को इंग्लैंड के पहली पारी के 387 रनों के स्कोर तक पहुँचाया। उन्होंने 131 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 72 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत 82/7 रन पर पिछड़ रहा था। इसके बाद, जडेजा का लचीलापन, उनका दृढ़ संकल्प और जुझारूपन चरम पर था। पुछल्ले बल्लेबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज, जिन्होंने मिलकर 84 गेंदें खेलीं, का साथ पाकर जडेजा ने ज़्यादातर रन कम करने की कोशिश की और भारतीय टीम को सीरीज़ में बढ़त का सपना देखने पर मजबूर कर दिया। क्रीज़ पर 181 गेंदों तक उनका टिके रहना अपार मानसिक दृढ़ता, धैर्य और लगभग बिना किसी जोखिम के एक यादगार पारी थी। सिराज के स्टंप्स के सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से उखड़ जाने के बाद जब वह 61* रन पर आउट हुए, तब जडेजा ने दिखा दिया था कि वह वाकई एक योद्धा हैं और तलवारबाज़ी का उनका जश्न सिर्फ़ जश्न नहीं था, सिर्फ़ एक नाटक नहीं था, बल्कि वह कुछ ऐसा था जिसे वह अंदर से जीते थे।

ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट वह था जहाँ बाएं हाथ के बल्लेबाज को अपनी कड़ी मेहनत से अर्जित पारियों, मूल्यवान साझेदारियों और अपने चरित्र का असली फल मिला। पहली पारी में 20 रन बनाने के बाद, जडेजा और वाशिंगटन सुंदर की जोड़ी को श्रृंखला बचाने के लिए पहली पारी के 311 रनों के घाटे का एक बड़ा हिस्सा कम करने का काम सौंपा गया था। सुंदर के साथ एक सतर्क जडेजा ने दिन के बाकी समय ड्रॉ के लिए खेला, जिससे भारत की पुछल्ले बल्लेबाजों को ज़रा भी कमजोरी नहीं होने दी। सबसे बड़ी बात यह है कि दोनों बल्लेबाजों ने अंग्रेजों की खाल उधेड़ी, उन्हें थका दिया और वो हासिल किया जिसके वे हकदार थे, अच्छे-अच्छे शतक। श्रृंखला ड्रा करने की संभावना अभी भी बनी हुई थी। उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित एक चौका भी लगाया, जिससे उन्हें गेंद से भी वास्तविक प्रभाव डालने का मौका मिला, और श्रृंखला में सात विकेट हासिल किए।

ओवल में पहली पारी में नौ रन के कम स्कोर के बाद जडेजा की निचले क्रम में ध्रुव जुरेल के साथ अर्धशतकीय साझेदारी और सुंदर के साथ एक और मूल्यवान जोड़ी ने भारत को 373 रन की बढ़त दिलाने में मदद की, जो मैच जीतने वाली साबित हुई।

-जडेजा सुनील गावस्कर, वीवीएस लक्ष्मण और गैरी सोबर्स की श्रेणी में कैसे शामिल हो गए जडेजा ने इंग्लैंड में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जो मध्यक्रम के ऑलराउंडर होने के कारण और भी खास हो जाता है।

लिवरपूल ने पेनल्टी में क्रिस्टल पैलेस से कम्युनिटी शील्ड में हार के साथ सीज़न की शुरुआत की, स्लॉट ने कहा कि अनुकूलन में समय लगेगा

लंदन, ऐजंसी। 2025-26 इंग्लिश फुटबॉल सीज़न की शानदार शुरुआत हुई क्योंकि एफए कप चैंपियन ने प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल एफसी को पेनल्टी पर हराकर कम्युनिटी शील्ड खिताब हासिल किया, मैच सामान्य समय में 2-2 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

रविवार को, पैलेस, जिसने मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को हराकर अपना पहला बड़ा खिताब जीता था, ने जस्टिन डेवेनी के एक शानदार स्पॉट किक से एक और बड़ी टीम को धूल चटा दी और खिताब जीत लिया। गोलकीपर डीन हेंडरसन ने गोल पर दो शॉट बचाए और रेड्स के सुपरस्टार मोहम्मद सलाह ने पेनल्टी को हवा में उड़ा दिया। पैलेस ने पेनल्टी पर 3-2 से जीत हासिल की। चौथे मिनट में, ह्यूगो एकिटिके के गोल ने लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लेकिन पैलेस भी इसे हाथ से जाने नहीं देना चाहता था, क्योंकि 13 मिनट बाद, जीन-फिलिप माटेटा के पेनल्टी-किक पर किए गए गोल ने स्कोर बराबर कर दिया। 21वें मिनट में, जेरेमी फ्रिम्पोंग के गोल की बदौलत लिवरपूल फिर से आगे हो गया। प्रीमियर लीग चैंपियन के दोनों नए खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

हाफ-टाइम तक लिवरपूल का स्कोर 2-1 था। लिवरपूल ने आक्रमण में तो शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन डिफेंस में उन्हें दिक्कत हुई। इस्माइला सार पर वर्जिल वैन डाइक के एक बेढंगे हमले ने जीन को पेनल्टी का मौका पकड़ा और उसका पूरा फायदा उठाया। 77वें मिनट में जब एडम व्हार्टन ने सार को बराबरी का गोल दिलाने में मदद की तो डचमैन अपनी जगह से बाहर थे। मैच पेनल्टी शूटआउट में चला गया, जिसमें क्रिस्टल पैलेस 3-2 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहा। मैच के बारे में बात करते हुए, लिवरपूल के मैनेजर आर्ने स्लॉट ने स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से कहा कि टीम में आमूलचूल परिवर्तन किया गया है, क्योंकि ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड, लुइस डियाज़, डार्विन नुनेज़ और काओइमहिन केल्हेर ने नए सत्र से पहले क्लब छोड़ दिया है।

एशियाई अंडर-19 मुक्केबाजी चैंपियनशिप¬ निशा, मुस्कान और राहुल कुंडू ने स्वर्ण पदक जीते, भारत ने जीते 14 पदक

बैंकॉक, ऐजंसी। भारत की युवा महिला मुक्केबाजों ने महाद्वीपीय मुक्केबाजी में अपनी बढ़ती ताकत का परिचय दिया, जब निशा (54 किग्रा) और मुस्कान (57 किग्रा) ने रविवार को बैंकॉक, थाईलैंड में अंडर-19 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पाँच अन्य ने रजत पदक जीते। पुरुषों के फाइनल में, राहुल कुंडू (75 किग्रा) ने उज़्बेकिस्तान के दिग्गज मुहम्मदजोन याकूपबोवेक पर विभाजित निर्णय से जीत हासिल करके एक और पदक जीता, जिससे भारत के पदकों की संख्या 14 हो गई, जिसमें तीन स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

निशा ने दिन के दूसरे मुकाबले में भारत के लिए स्वर्ण पदक का खाता खोला जब उन्होंने तीसरे और अंतिम राउंड में चीन की सिरुई यांग के खिलाफ 4¬1 से जीत दर्ज करते हुए अपना स्तर ऊंचा किया। इसके बाद मुस्कान ने भारत के लिए लगातार दूसरी जीत दर्ज की, उन्होंने आक्रामक रुख अपनाया और अगले राउंड में कजाकिस्तान की अयाज़ान एर्मेक को 3¬2 से हराकर स्प्लिट डिसीजन हासिल किया।

पुरुषों की स्पर्धा में राहुल ने 75 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान के मुहम्मदजोन के खिलाफ 4¬1 से फाइनल मुकाबला जीत लिया।

भारत ने अंडर-22 वर्ग में भी 13 पदक पक्के कर लिए हैं, जिसमें पांच मुक्केबाज सोमवार को स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

रविवार को स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही अन्य भारतीय महिलाओं में, विनी को 60 किग्रा के फाइनल में उज्बेकिस्तान की सेवारा मामातोवा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जबकि जापान की अरिंदा अकीमोतो ने 65 किग्रा के फाइनल मुकाबले में निशा को 4¬1 से हराया।

उच्च भार वर्ग में, आरती कुमारी (75 किग्रा) चीन की टोंगटोंग गु से हार गई, जबकि कृतिका वासन (80 किग्रा) के अंतिम दौर के प्रयास कजाकिस्तान की कुराले येगिनबाइकज़ी के खिलाफ 2:3 से हार से बचने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की भारत में वापसी पर जय शाह ने कहा, एक निर्णायक क्षण

मुंबई, ऐजंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने सोमवार को कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की भारत में वापसी महिला क्रिकेट के लिए एक निर्णायक क्षण है और खेल की अंतरराष्ट्रीय शासी संस्था नए विचारों के लिए खुली है और महिला क्रिकेट की बढ़ती गति को बनाए रखने के लिए लगातार तरीके तलाश रही है।

भारत की दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज और युवराज सिंह, वर्तमान स्टार खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स के साथ, आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के 50 दिन बाकी कार्यक्रम के लिए मुंबई में एकत्रित हुए। आगामी 50 ओवरों का विश्व कप 2016 के बाद पहली बार उपमहाद्वीप में किसी सीनियर आईसीसी महिला टूर्नामेंट की वापसी का प्रतीक है, जब भारत ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी। भारत इससे पहले 1978, 1997 और 2013 में महिला विश्व कप का आयोजन कर चुका है। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने पैनल चर्चा से पहले इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसमें भारतीय क्रिकेट के वर्तमान और पूर्व सितारे तथा आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता शामिल थे।

आईसीसी के अनुसार, इस कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा, आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की भारत में वापसी महिलाओं के खेल के लिए एक निर्णायक क्षण है, जो वास्तव में विश्व स्तरीय टूर्नामेंट के लिए मंच तैयार करेगा, जो खेल के वैश्विक स्तर को और ऊंचा करेगा। आईसीसी में, हम नए विचारों के लिए खुले हैं और महिला क्रिकेट की बढ़ती गति को बनाए रखने के लिए लगातार तरीके खोज रहे हैं। आज की पैनल चर्चा जैसी बातचीत हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को आकार देने और प्रगति को गति देने में अमूल्य है।÷उन्होंने अंत में कहा, टूर्नामेंट शुरू होने में अब सिर्फ़ 50 दिन बचे हैं, तैयारियाँ ज़ोरों पर हैं और उत्साह बढ़ता जा रहा है। मैं सभी प्रतिभागी टीमों को इस चुनौती के लिए तैयार होने के लिए अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। मुझे विश्वास है कि भारत और श्रीलंका में उनका अनुभव अविस्मरणीय रहेगा। इस आयोजन के साथ ही आईसीसी ट्रॉफी टूर का आधिकारिक शुभारंभ भी हुआ, जो मुंबई से शुरू होकर टूर्नामेंट के सभी मेजबान शहरों के साथ-साथ दिल्ली का भी दौरा करेगा। एक व्यापक स्कूल विरासत कार्यक्रम के तहत, ट्रॉफी टूर प्रत्येक मेजबान शहर के कई स्कूलों का दौरा करेगा। बीसीसीआई और आईसीसी हितधारकों के साथ मिलकर चुनिंदा स्कूलों को विश्व कप के मैचों में भाग लेने का मौका देंगे। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से 2 नवंबर तक चलेगा, जिसमें भारत बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ टूर्नामेंट का पहला मैच खेलेगा।

ओलंपियन अन्नू रानी ने इंडियन ओपन 2025 विश्व एथलेटिक्स में भाला फेंक का खिताब जीता

भुवनेश्वर, ऐजंसी। ओलिंपिक डॉट कॉम के अनुसार, रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में इंडियन ओपन 2025 विश्व एथलेटिक्स कांस्य स्तरीय कॉन्टिनेंटल टूर में ओलंपियन अन्नू रानी ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़कर महिला भाला फेंक चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। कलिंगा स्टेडियम में, अन्नू रानी ने 62.01 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरे और तीसरे स्थान पर श्रीलंका की एन डी एल हातरबाग लेका (56.27 मीटर) और दीपिका (54.20 मीटर) रहीं। पिछले हफ्ते पोलैंड में हुए आयोजन के दौरान, अन्नू रानी ने एक साल से भी ज़्यादा समय में पहली बार 60 मीटर से ज़्यादा की थ्रो फेंकी, जिससे सर्किट पर उनके एक सफल हफ्ते का संकेत मिला। दरअसल, 62.59 मीटर का उनका विजयी थ्रो भी लगभग दो सालों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भुवनेश्वर में, 32 वर्षीय अन्नू ने 60 मीटर से अधिक की दो थ्रो दर्ज करने में सफलता प्राप्त की - दूसरी थ्रो उनकी अंतिम प्रयास में 61.01 मीटर की थी।

इस बीच, श्रीलंका के रुमेश पथिरगे ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में 86.50 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। पथिरगे ने विश्व चैंपियनशिप के 85.50 मीटर के क्वालीफाइंग मार्क को भी पार कर लिया था और पिछले महीने बेंगलुरु में एनसी क्लासिक में कांस्य पदक जीता था। शिवम लोहाकरे भारत के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट रहे, जिन्होंने 80.73 मीटर के प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि एक अन्य श्रीलंकाई सुमेदा जे रणसिंघे 80.65 मीटर थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सचिन यादव (79.80 मीटर) और यशवीर सिंह (78.53 मीटर) क्रमशः पाँचवें और छठे स्थान पर रहे।

शाहनवाज खान ने मुरली श्रीशंकर को कड़ी टक्कर दी, लेकिन श्रीशंकर ने अपने अंतिम प्रयास में 8.13 मीटर की सत्र की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पुरुषों की लंबी कूद प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की। चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी की कोशिश कर रहे श्रीशंकर अब लगातार चार प्रतियोगिताएँ जीत चुके हैं। पिछले महीने पुणे में इंडियन ओपन में 8.05 मीटर की छलांग लगाकर जीत हासिल करने के साथ ही उन्होंने अपनी वापसी का संकेत दिया और पुर्तगाल में 7.75 मीटर के प्रदर्शन के साथ पहला स्थान हासिल किया। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में अल्माटी में कोसानोव मेमोरियल में भी 7.94 मीटर की छलांग लगाकर प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

प्रदेश में अब तक 658.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 658.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1100.7 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 334.4 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।रायपुर संभाग में रायपुर जिले मे 596.6 मि.मी., बलौदाबाजार में 557.6 मि.मी., गरियाबंद में 538.0 मि.मी., महासमुंद में 545.4 मि.मी. और धमतरी में 521.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 689.9 मि.मी., मुंगेली में 689.1 मि.मी., रायगढ़ में 807.5 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 875.1 मि.मी., कोरबा में 723.5 मि.मी., गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 648.2 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 599.9 मि.मी., सक्ती में 735.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 522.1 मि.मी., कबीरधाम में 492.1 मि.मी., राजनांदगांव में 564.0 मि.मी., बालोद में 629.7 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 816.3 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 465.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 498.8 मि.मी., सूरजपुर में 829.3 मि.मी., जशपुर में 751.8 मि.मी., कोरिया में 778.3 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 725.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 779.4 मि.मी., कोंडागांव में 502.0 मि.मी., नारायणपुर में 697.8 मि.मी., बीजापुर में 818.2 मि.मी., सुकमा में 526.4 मि.मी., कांकेर में 604.6 मि.मी., दंतेवाड़ा में 708.4 मि.मी. और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन दो दिवसीय नई दिल्ली दौरे पर

केंद्रीय मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

रायपुर।वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन दो दिवसीय नई दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों से सौजन्य मुलाकात करेंगे। मंत्री देवांगन 10 अगस्त (रविवार) को रात 8.30 बजे फ्लाइट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। रात 10.05 बजे वे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। मंत्री देवांगन 11 एवं 12 अगस्त को नई दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। वे नई दिल्ली से 12 अगस्त को शाम 7.20 बजे फ्लाईट से प्रस्थान कर 8.55 बजे रायपुर लौट आएंगे।

छत्तीसगढ़ के 141879 किसानों को 152.84 करोड़ रुपये का दावा भुगतान

रायपुर।भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के एक लाख 41 हजार 879 पात्र बीमित किसानों को कुल 152 करोड़ 84 लाख 62 हजार रुपये का दावा राशि का भुगतान राष्ट्रव्यापी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाएगा। जिसमें खरीफ सीजन 2024 के 33 हजार 943 पात्र किसानों को 10 करोड़ 25 लाख 97 हजार रुपये तथा रबी सीजन 2024-25 के एक लाख 7 हजार 936 पात्र किसानों को 142 करोड़ 58 लाख 65 हजार रुपये का दावा भुगतान शामिल है।प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत यह भुगतान 11 अगस्त 2025 (सोमवार) को राष्ट्रव्यापी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण आधारित स्वचालित प्रणाली के माध्यम से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित कार्यक्रम में होगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना विशिष्ट अतिथि होंगे।यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से आरंभ होगा। छत्तीसगढ़ के पात्र बीमित कृषकों को वर्चुअल मोड से कार्यक्रम में शामिल करने हेतु जिला स्तर पर कार्यालय उप संचालक कृषि तथा विकासखण्ड स्तर पर कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी कृषक इसका हिस्सा बन सकें।मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने इस अवसर पर कहा कि किसानों की आर्थिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे प्रभावी कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल हानि से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह दावा भुगतान हमारे कृषकों के विश्वास और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करेगा। हमारी सरकार खेती को लाभकारी बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक तकनीक के प्रसार और फसल विविधीकरण के माध्यम से प्रदेश की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पित है।

भूपेश बघेल का कांग्रेस में हाल, पार्टी पर प्रतिबद्धता जताने देना पड़ रहा बयान : उप मुख्यमंत्री

रायपुर।छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज सोमवार को अटल नगर, नवा रायपुर में भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि, भूपेश बघेल अपनी पार्टी में स्थान सुरक्षित करने के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं। आज उनकी हालात ऐसी हो गई है, उन्हें कांग्रेस पर अपनी प्रतिबद्धता दिखानी पड़ रही है। जांच एजेंसी की कार्रवाई को लेकर वे मुगालते में ना रहे। साव ने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर अमर्यादित शब्दों के इस्तेमाल पर कहा कि, आज कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं का स्तर गिर गया है। कांग्रेस पूरी तरह से सीमाओं को लांघ चुकी है। निम्न स्तर की राजनीति कहा तक लेकर जाएगी। कांग्रेस नेता कहा तक गिरेंगे, ये समझ से परे हैं।उप मुख्यमंत्री साव ने हर घर तिरंगा और तिरंगा यात्रा अभियान पर कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पूरे देश में हर्ष का माहौल है। लोगों में देशभक्ति का जज्बा है। और स्वतंत्रता दिवस भी नजदीक है। पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। आज लोरमी विधानसभा क्षेत्र में भी यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें मैं भी शामिल होऊंगा।राज्य में हमारी सरकार बनने के बाद अवैध धर्मांतरण के खिलाफ कार्रवाई की है। मौजूदा कानून के अनुसार एक्शन लिया है। कई जगहों से धर्मांतरण के मामले निकलकर सामने आ रहे हैं। पिछली सरकार में धर्मांतरण को खुला संरक्षण मिला हुआ था। लोग शिकायत करने से डरते थे। अब हमारी सरकार में लोग धर्मांतरण करने वालों के खिलाफ खुलकर सामने आ रहे हैं। और कार्रवाई भी हो रही है। छत्तीसगढ़ में अवैध धर्मांतरण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंत्री रामविचार नेताम ने दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर।छत्तीसगढ़ के किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम अपने दिल्ली प्रवास के दौरान आज सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान से दिल्ली स्थित उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री नेताम ने इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को बताया कि जिला बलरामपुर-रामानुजगंज जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है। शिक्षा की दृष्टि से रामानुगंज में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने हेतु क्षेत्रवासियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा निरंतर लंबे समय से मांग की जा रही है।मंत्री नेताम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए रामानुजगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति प्रदान का प्रस्ताव दिया। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने मंत्री नेताम के प्रस्ताव पर रामानुजगंज में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय खोलने का आश्वसन दिया।

भूपेश बघेल की याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज, ईडी की कार्रवाई को दी थी चुनौती; जज बोले-गलती कानून में नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। उन्होंने शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (श्चष्ठ) की आगे की जांच करने की शक्ति को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने की सलाह दी है।

बघेल ने PMLA की धारा 44 को 'रीड डाउन' करने की मांग की थी और कहा था कि पहली शिकायत दर्ज होने के बाद श्चष्ठ को सिर्फ विशेष परिस्थितियों में, अदालत की अनुमति और जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ ही आगे जांच करने का अधिकार होना चाहिए।

गलत कानून में नहीं, उसके दुरुपयोग में :जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि इस प्रावधान में कोई खामी नहीं है। अगर इसका दुरुपयोग हो रहा है, तो पीड़ित व्यक्ति हाईकोर्ट जा सकता है। जस्टिस बागची ने कहा -The devil is not in the law but in the abuse (गलती कानून में नहीं, उसके दुरुपयोग में है)।जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इस प्रावधान में कुछ भी गलत नहीं है। अगर इसका दुरुपयोग हो रहा है, तो हाईकोर्ट जाएं।सिब्बल का तर्क- बार-बार सप्लीमेंट्री शिकायत, ट्रायल में देरीसुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि श्चष्ठ हर कुछ महीनों में पूरक शिकायत दर्ज करती है, जिससे ट्रायल में देरी होती है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि आगे की जांच आरोपी के हित में भी हो सकती है, बशर्ते इसका दुरुपयोग न हो।

ईडी को अनुमति लेनी चाहिए, लेकिन :जस्टिस बागची ने कहा कि आगे की जांच के लिए श्चष्ठ को विशेष क्क्ररू कोर्ट से पूर्व अनुमति लेनी चाहिए, लेकिन अगर एजेंसी ऐसा नहीं कर रही, तो समस्या प्रावधान में नहीं, उसके पालन में है।

याचिका खारिज हाईकोर्ट जाने की छूट :सुप्रीम कोर्ट ने बघेल की याचिका खारिज करते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने की छूट दी। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि विजय मदनलाल चौधरी केस में पहले ही कहा गया है कि कोर्ट की अनुमति से आगे के सबूत रिकॉर्ड पर लाए जा सकते हैं। अगर श्चष्ठ ने इन दिशा-निर्देशों के खिलाफ काम किया है, तो आरोपी हाईकोर्ट का रुख कर सकता है।

जानिए भूपेश ने क्यों लगाई सुप्रीम कोर्ट में याचिका :भूपेश बघेल ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) की कुछ धाराओं की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं। याचिका क्रमांक 303 में उन्होंने मुख्य रूप से धारा 45 की व्याख्या को चुनौती दी थी।भूपेश बघेल की ओर अलग-अलग अग्रिम जमानत याचिका लगाई गई थी, जिसमें एक श्चष्ठ और उसके उप निदेशक के खिलाफ है। वहीं, दूसरी याचिका CBI, छत्तीसगढ़ राज्य और उत्तर प्रदेश राज्य के खिलाफ है।इसके साथ ही भूपेश ने बेटे चैतन्य ने भी सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका लगाई। उन्होंने श्चष्ठ की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। वहीं EOW की गिरफ्तारी से बचने अग्रिम जमानत याचिका भी लगाई थी।

रामानुजगंज में खुलेगा केंद्रीय विद्यालय केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिले मंत्री नेताम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान से दिल्ली स्थित उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की। मंत्री नेताम ने इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान को बताया कि जिला बलरामपुर-रामानुजगंज जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है। शिक्षा की दृष्टि से रामानुगंज में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने हेतु क्षेत्रवासियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा निरंतर लंबे समय से मांग की जा रही है।मंत्री नेताम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए रामानुजगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति प्रदान का प्रस्ताव दिया। केंद्रीय मंत्री प्रधान ने मंत्री नेताम के प्रस्ताव पर रामानुजगंज में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय खोलने का आश्वसन दिया।

गौधाम योजना पर सियासतशिव डहरिया ने कहा- 10 रुपए में आधी कप चाय नहीं मिलती

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में गोधन योजना को फिर से शुरू करने के सरकारी निर्देश के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच सियासी टकराव तेज हो गया है। पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में शुरू की गई गोधन न्याय योजना को भाजपा ने बंद कर दिया था, जिसका सीधा असर यह हुआ कि पशुधन सड़कों पर भटकने लगा।डहरिया ने कहा कि हमारी सरकार ने गांव-गांव में गौठान बनाए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे बंद कर दिया। अब उसी योजना को नाम बदलकर फिर शुरू किया जा रहा है और 10 रुपए में प्रति गाय को चारा देने की बात की जा रही है। उन्होंने कहा, आज के समय में 10 रुपए में आधा कप चाय भी नहीं मिलती, तो चारा कहां से मिलेगा।

पुराने गौठानों का उपयोग क्यों नहीं :पूर्व मंत्री ने सवाल उठाया कि भाजपा सरकार कांग्रेस शासन में बने गौठानों का उपयोग क्यों नहीं कर रही। हमारे समय में गांव-गांव में गौठान व्यवस्थित रूप से चल रहे थे। आज वे बदहाल हैं, क्योंकि मौजूदा सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया है। डहरिया ने कहा कि चारा के नाम पर भी भ्रष्टाचार होगा। कांग्रेस के शासन काल में बने गौठान का मेंटनेंस खुद होता था। सारी व्यवस्था वहीं से होती थी, लेकिन उनकी योजना सफल नहीं होने वाली है।

छत्तीसगढ़ के अनेक हिस्सों में भारी वर्षा की चेतावनी

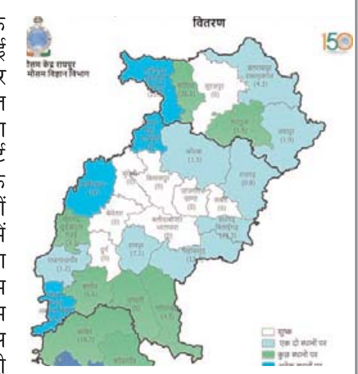

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में पिछले एक हफ्ते से अच्छी बारिश नहीं हुई है। राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। उमस और भीषण गर्मी से परेशां लोगों के लिए मौसम विभाग ने एक राहत भरी खबर दी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा का कहना है कि इस बारिश से जहां गर्मी और उमस से राहत मिलेगी, वहीं निचले इलाकों में जलभराव और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन में परेशानी भी बढ़ सकती है।मौसम विभाग के अनुसार विभाग पिछले 24 घंटों में दक्षिण छत्तीसगढ़ में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई और शेष प्रदेश में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। सबसे ज्यादा तापमान प्रदेश में 34.6 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में रिकॉर्ड किया गया.मौसम विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रदेश में अगले 3 दिनों तक बारिश होने की संभावना हैं। साथ ही मौसम विभाग ने बताया कि, आज दिन भर राजधानी रायपुर में बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश भी होगी। बीते 24 घंटों में कोटा 6, छोटेडोंगर 5, सुकमा 4, सोनहत 4, गादीरास 3, जनकपुर भरतपुर 2, अंतागढ़ 2, रेंगाखार कला 2, कोहकामेटा 2, माकड़ी 2, कवर्धा 2, सरिया 1, बड़े बचेली 1, कटेकल्याण 1, कोमाखान 1, बारसूर 1, छिंदगढ़ 1, बकावंड 1, कुटरू 1, नारायणपुर 1 सेमी वर्षा दर्ज किया गया है।मौसम विभाग ने रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, बलरामपुर, रामानुजगंज, कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, मनेंद्रगढ़ और जशपुर समेत कई अन्य इलाकों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के कई जिलों में अगले तीन दिनों तक बारिश होने के साथ-साथ तेज आंधी-तूफान भी चलेगा। इतना ही नहीं प्रदेश के कई इलाकों में बिजली गिरने की संभावना भी मौसम विभाग द्वारा जताई गई है।

बिजनेसमैन से दिनदहाड़े 15 लाख की लूट, बाइक सवारों ने कार रुकवाई; चाकू-कट्टा अड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक बिजनेसमैन से चाकू-कट्टा अड़ाकर 15 लाख की लूट हुई है। पंडरी इलाके के कापा में आरोपियों ने सोमवार दोपहर 12 बजे दिनदहाड़े सुनसान जगह में वारदात को अंजाम दिया। पहले बिजनेसमैन को जान से मारने की धमकी दी फिर उसके हाथ से 3 सोने की अंगूठी भी लूट ली।मामला पंडरी थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि आरोपी बाइक में सवार होकर आए थे। वारदात के बाद वह मौके से फरार हो गए। इनमें एक आरोपी नकाब पहना था, बाकी 2 के चेहरे दिख रहे थे। पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

कट्टा और चाकू अड़ाकर लूट : पंडरी थाना प्रभारी स्वराज त्रिपाठी के मुताबिक, वारदात सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की है। चिराग जैन नाम के बिजनेसमैन की रेलवे स्टेशन के पास बोरवेल पार्ट्स की दुकान है। वह विधानसभा इलाके में अपने घर से दुकान के लिए निकला था।कारोबारी कार में सड्डू इलाके के कापा नाम की जगह पर पहुंचा। तभी 3 युवक बाइक पर कार के सामने आ गए। चिराग ने अपनी गाड़ी रोक दी। आरोपी जब बाइक से उतरने लगे तो उसने कार साइड रोड की तरफ मोड़ दी।फिर उन्होंने चिराग को पकड़ लिया और पीछे तरफ से कट्टा और चाकू अड़ा दिया। इनमें से एक आरोपी ने नकाब पहना हुआ था, जबकि दो आरोपी चेहरा नहीं ढके थे। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देने लगे।

15 लाख कैश और अंगूठी लेकर फरार :इसके बाद आरोपियों ने कार में रखे हुए 15 लाख रुपए कैश लूट लिए। कारोबारी के मुताबिक पैसे बिजनेस के थे, जिसे वह दुकान लेकर जा रहा था।

रायपुर के धर्मांतरण विवाद में दो FIR दर्ज जबरन घर आकर धर्म बदलने का आरोप; रास्ता रोककर युवक पर चाकू से हमला किए थे

रायपुर।राजधानी रायपुर में धर्मांतरण विवाद में दो लोगों पर स्नढ्ढक्र दर्ज हुई है। सरस्वती नगर इलाके में मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि उन पर धर्म परिवर्तन कराने के लिए जबरन दबाव बनाया जाता था। इसके अलावा एक महिला का रास्ता रोककर आरोपियों ने चाकू से उस पर हमला किया था।वहीं, आरोप ये भी था कि आरोपी हिंदू देवी देवताओं का अपमान करते थे। जिसको लेकर रविवार (10 अगस्त) को विवाद और मारपीट हो गई थी। इस मामले में फिलहाल पुलिस में किसी भी व्यक्ति को हिरासत में नहीं लिया है। आगे जांच जारी है।

2 अलग-अलग लोगों ने की शिकायत :हेमलता महाजन ने थाने में शिकायत में बताया कि पिछले 6 साल से कुकुरबेड़ा क्षेत्र में वशिष्ठ भारती अपने घर पर धर्मांतरण करवाता था। वह गरीब और भोले भाले लोगों को लालच देकर प्रार्थना सभा में बुलाता था।मोहल्ले के लोग जब इसकी शिकायत करते तो आरोपी घर में घुसकर और रास्ते में रोक कर मारपीट करते थे। इस मामले में संजू बाघ उर्फ संजू सेनापति ने धर्मांतरण की शिकायत करने पर लोकनाथ साहू नाम के युवक का रास्ता रोक दिया। फिर उस पर चाकू से हमला कर दिया।वहीं दूसरी शिकायत अजय नेम ने दर्ज करवाई है। जिसमें बताया कि उसके घर में वशिष्ठ भारती और संजू बाघ घर में घुसकर हिंदू धर्म के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते थे। वह हिंदू देवी देवताओं को गाली देते थे। उन्होंने उसके भतीजे का धर्मांतरण कर दिया।

रायपुर में मां-बेटी की मौत बनी रहस्य, पोस्टमॉर्टम-रिपोर्ट में जहर ट्रेस नहीं हुआ; गले की हड्डी भी सलामत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रायपुर में मां-बेटी की मौत की गुत्थी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद उलझ गई है। PM रिपोर्ट में जहर देने की पुष्टि नहीं हुई है। वहीं मां-बेटी की गले की हड्डी भी सलामत है, इसका मतलब है गला दबाकर भी हत्या नहीं हुई है।

पुलिस के लिए अब राखी के दिन घर पर हुई दोनों की मौत रहस्यमयी पहेली बन गई है। हालांकि दोनों महिलाओं का विसरा प्रिजर्व किया गया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि विसरा रिपोर्ट के आने के बाद ही अब मौत की वजह का खुलासा हो पाएगा।पुलिस ने मौत के कुछ मिनट पहले तक घर में मौजूद बेटे को हिरासत में लिया था लेकिन, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पूछताछ में उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिले जिसके बाद उसे कुछ घंटों में छोड़ दिया गया। मामला तिल्दा के खरोरा थाना क्षेत्र का है। रक्षाबंधन के दिन दोनों मां-बेटी की लाश मिली थी। रायपुर से लगे खरोरा के पचरी गांव के सतनामी पारा में मां-बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिली थी। बिंदा बाई चतुर्वेदी (55) अपने बेटे शीतल चतुर्वेदी (34) के साथ गांव के घर में रहती थी। रक्षाबंधन (9 अगस्त) के दिन सुबह करीब 11 बजे बिंदा की बेटी उषा मनहरे (40) त्योहार मनाने अपने मायके पचरी गांव आई थी।उषा लोग 2 भाई 2 बहन है। शाम को उषा की बड़ी बहन का बेटा धीरज भी घर आया था। धीरज अपनी मौसी और नानी के साथ बातचीत की खाना खाया और अपने घर वापस चला गया।उस दौरान घर में मौजूद भाई शीतल नशे की हालत में सोया था। रात करीब 8 बजे शीतल सोकर उठा और तालाब जाने के लिए घर से निकला तो उसकी मां बिंदा बाई और बहन उषा आपस में बात कर रहे थे।लेकिन शीतल तालाब नहीं जाकर आधे रास्ते से ही घर वापस आ गया। वापस घर पहुंचते ही उसने देखा कि बरामदे में मां और बहन उषा अंदर कमरे में जमीन पर गिरी थी और तड़प रही थी।उसने फौरन पड़ोस के डॉक्टर को बुलाया। लेकिन दोनों महिलाओं की नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टर ने इलाज करने से इनकार कर दिया। फिर डॉक्टर ने एंबुलेंस को बुलाया और पुलिस को सूचना दी गई। लेकिन अस्पताल ले जाने तक दोनों मां-बेटी की मौत हो चुकी थी।

फोरेंसिक टीम के हाथ भी खाली :रात करीब 9 बजे खरोरा पुलिस को सूचना मिली। पुलिस ने दोनों मां-बेटी की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इधर मौत से कुछ मिनट पहले घर पर मौजूद शीतल चतुर्वेदी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।उसने पूछताछ में बताया कि मां और बहन को तालाब जाने से पहले आपस में बात करते हुए देखा था। तब तक सब कुछ सामान्य था। जब तक वह वापस आया ये सब घटना हो गई।इस मामले में पुलिस के 10 अगस्त को फोरेन्सिक टीम, डॉग स्क्वायर्ड, फिंगर एक्सपर्ट को बुलाकर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस को घर के भीतर कोई भी संदेहजनक चीज नहीं मिली। बयान नोट करने के बाद पुलिस ने शीतल चतुर्वेदी को छोड़ दिया।शुरुआती जांच पड़ताल में यह आशंका जताई गई की मौत जहर खाने से हुई है। लेकिन इस केस में जांच आगे बढ़ते ही जहर से मौत की थ्योरी भी गलत हो गई।

गले की हड्डी भी सही सलामत मिली :इसके अलावा दोनों लाशों के पोस्टमॉर्टम में भी मौत की कोई साफ वजह नहीं आ पाई। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमॉर्टम में कोई बाहरी चोट नहीं मिला। मौत से पहले मृतकों के नाखूनों और बॉडी में किसी से संघर्ष के निशान भी नहीं मिले। दोनों महिलाओं के गले की हड्डी भी नहीं टूटी है। जिससे गला दबाकर हत्या का शक किया जाए।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत बनी रहस्य :इस मामले में पुलिस को पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर से मौत का कोई स्पष्ट कारण नहीं मिला। जिसके बाद दोनों मृतकों के विसरा को प्रिजर्व रखा गया है। इस विसरा रिपोर्ट को एक्सपर्ट जांच करेंगे।इस रिपोर्ट के बाद ही पुलिस इस मामले में कोई कार्रवाई कर पाएगी। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों का बयान भी नोट कर रही है।

सुबह हुआ था भाई-बहनों का विवाद :पड़ोसियों के मुताबिक, मृतक बिंदा बाई के घर में रक्षाबंधन के दिन सुबह झगड़े की आवाजें सुनाई दे रही थीं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रेस प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा